आर.एन.आई नं. 69777/98 / डाक पंजीयन-मालवा डिवीजन/328/2020-22

दैनिक

हिन्दकुश

hindkush.in jagrayam.com

वर्ष - 27 | अंक - 89 | उज्जैन, बुधवार 19 फरवरी 2025 | कुल पृष्ठ - 8, | कीमत -1 रूपया

प्रदेश में व्यापक स्तर पर मनाए जाएंगे महाशिवरात्रि और गुड़ी पड़वा पर्व

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने मंत्रि-परिषद बैठक के पहले दी मंत्रीगण को महत्वपूर्ण उपलब्धियों की जानकारी

भोपाल। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि प्रदेश में 26 फरवरी को महाशिवरात्रि पर्व व्यापक स्तर पर मनाया जाएगा। इस अवसर पर विभिन्न मंदिरों की साज-सज्जा सहित विविध आयोजन होंगे। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि 30 मार्च को गुड़ी पड़वा पर्व पर भी बड़े स्तर पर कार्यक्रमों की रूपरेखा बनाई जा रही है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने बताया कि महाशिवरात्रि से विक्रमोत्सव प्रारंभ होगा। इस वर्ष भी जल गंगा अभियान संचालित किया जाएगा। इस वर्ष जल गंगा अभियान और वॉटर शेड कार्यक्रम के साथ दीर्घ अवधि तक चलेगा। मुख्यमंत्री डॉ. यादव मंगलवार को मंत्रालय में मंत्रि-परिषद की बैठक प्रारंभ होने के पहले मंत्रीगण को संबोधित कर रहे थे।

घड़ियाल अभ्यारण्य और मध्यप्रदेश में वन्य जीव पर्यटन

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने बताया कि 17 फरवरी को चंबल नदी के निकट घड़ियाल अभ्यारण्य का उन्होंने अवलोकन किया। इस अवसर पर 10 घड़ियाल चंबल नदी में छोड़े गए। प्रदेश में वन्य जीव पर्यटन को प्रोत्साहन दिया जा रहा है। देश में सर्वाधिक घड़ियाल चंबल के घड़ियाल अभ्यारण्य में हैं। यहाँ पर्यटकों को आकर्षित करने के लिए नई सुविधाएं प्रारंभ की जा रही हैं। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने इस अभ्यारण्य को पर्यटन की दृष्टि से महत्वपूर्ण केन्द्र बताया।

कृषक कल्याण

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने बताया कि प्रदेश में किसान कल्याण के क्षेत्र में अनेक महत्वपूर्ण निर्णय लिए गए हैं। चाहे किसानों को धान और अन्य फसलों के समर्थन मूल्य में वृद्धि का विषय हो या प्रति हेक्टेयर फसलों के लिए प्रोत्साहन राशि देने का विषय हो, इस संबंध में निकट भविष्य में महत्वपूर्ण निर्णय लिए जाएंगे। किसानों का कल्याण राज्य सरकार की प्राथमिकता है।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि केन-बेतवा और पार्वती-कालीसिंध-चंबल नदी जोड़ो परियोजनाओं की स्वीकृति के बाद मध्यप्रदेश तीसरी बड़ी नदी जोड़ो परियोजना से लाभान्वित होगा। यह परियोजना ताप्ती मेगा रिचार्ज परियोजना होगी, जिससे महाराष्ट्र राज्य भी लाभान्वित होगा। प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में देश में जल संग्रहण, वॉटर रिचार्ज और सिंचाई क्षेत्र के विस्तार की दिशा में ऐतिहासिक कार्य हो रहा है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने बताया कि ताप्ती मेगा रिचार्ज परियोजना एक अनूठी परियोजना होगी जो पृथ्वी के गर्भ में जल भंडारण का कार्य भी करेगी। इस परियोजना से जल स्तर ऊपर आएगा।

ज्ञानेश कुमार होंगे देश के अगले मुख्य निर्वाचन आयुक्त, धारा 370 से लेकर राम मंदिर तक से रहा नाता

नई दिल्ली (एजेंसी)। ज्ञानेश कुमार देश के मुख्य चुनाव आयुक्त होंगे। वह मुख्य चुनाव आयुक्त राजीव कुमार की जगह लेंगे। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की अध्यक्षता वाली तीन सदस्यीय चयन समिति ने सोमवार शाम को ज्ञानेश कुमार के नाम की सिफारिश की, जिस पर राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु ने मुहर लगाई। इस संबंध में अधिसूचना जारी कर दी गई है। वहीं, डॉ. विवेक जोशी तीन सदस्यीय चुनाव आयोग के नए सदस्य होंगे।

अभी तक की परंपरा के अनुसार सबसे वरिष्ठ चुनाव आयुक्त को ही मुख्य चुनाव आयुक्त नियुक्त किया जाता रहा है। राजीव कुमार के बाद ज्ञानेश कुमार सबसे वरिष्ठ चुनाव आयुक्त हैं। चुनाव आयुक्त के रूप में उनका कार्यकाल 26 जनवरी 2029 तक है। ज्ञानेश कुमार को मुख्य चुनाव आयुक्त बनाए जाने के कारण उनकी जगह रिक्त हुए पद पर डॉ. विवेक जोशी की नियुक्ति की गई है।

सोमवार को हुई थी बैठक - बता दें कि राजीव कुमार 18 फरवरी यानी मंगलवार को सेवानिवृत्त होने वाले हैं। इससे पहले प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अध्यक्षता वाली चयन समिति की साउथ ब्लाक कार्यालय में बैठक हुई। इसमें पांच नाम रखे गए लेकिन नेता विपक्ष और समिति के सदस्य राहुल गांधी ने इन सभी नामों पर असहमति दर्ज कराई।

सुप्रीम कोर्ट पहुंचा भोपाल गैस कांड के कचरे के निस्तारण का मामला, पीथमपुर के लोग कर रहे हैं विरोध

नई दिल्ली (एजेंसी)। 1984 की भोपाल गैस त्रासदी के खतरनाक कचरे के निस्तारण का मामला सुप्रीम कोर्ट पहुंच गया है। शीर्ष अदालत ने सोमवार को एक याचिका पर केंद्र सरकार, मध्य प्रदेश और उसके प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड को नोटिस जारी कर उनसे जवाब मांगा। इस त्रासदी में 5,479 लोगों की मौत हो गई थी और पांच लाख से ज्यादा लोग दिव्यांग हो गए थे।

सुप्रीम कोर्ट पहुंचा मामला- अब बंद हो चुकी यूनियन कार्बाइड फैक्ट्री के लगभग 377 टन खतरनाक कचरे को धार जिले के पीथमपुर औद्योगिक क्षेत्र में स्थानांतरित कर दिया गया, जो भोपाल से 250 किलोमीटर और इंदौर से लगभग 30 किलोमीटर दूर है।

शीर्ष अदालत ने स्वास्थ्य के अधिकार और इंदौर शहर सहित आस-पास के क्षेत्रों के निवासियों के लिए जोखिम के मुद्दे को उठाने वाली याचिका का संज्ञान लिया। दो-तीन दिसंबर, 1984 की रात को यूनियन कार्बाइड फैक्ट्री से अत्यधिक जहरीली गैस मिथाइल आइसोसाइनेट का रिसाव हुआ था। इसे दुनिया की सबसे भयानक औद्योगिक आपदाओं में से एक माना जाता है।

महाराणा प्रताप स्पोर्ट्स कॉलेज में बनेगी शूटिंग एकेडमी, भविष्य के ओलिंपियन निशानेबाज होंगे तैयार

नई दिल्ली (एजेंसी)। भविष्य के ओलिंपियन निशानेबाज तराशने के लिए महाराणा प्रताप स्पोर्ट्स कालेज में नवनिर्मित त्रिशूल शूटिंग रेंज को शूटिंग एकेडमी बनाने के लिए खेल विभाग ने विभागीय कसरत तेज कर दी है। शूटिंग एकेडमी के संचालन में आर्मी और पुलिस का भी सहयोग लिया जाएगा।

शूटिंग एकेडमी के बनने से उत्तराखंड ही नहीं बल्कि देश भर के निशानेबाज अंतरराष्ट्रीय स्तर का प्रशिक्षण प्राप्त कर सकेंगे। आर्मी और पुलिस के निशानेबाज भी शूटिंग रेंज में निशानेबाजी का प्रशिक्षण और अभ्यास कर सकेंगे।

राष्ट्रीय खेलों के आयोजन के लिए स्पोर्ट्स कालेज में करोड़ों की लागत से विश्वस्तरीय शूटिंग रेंज का निर्माण किया गया है। राष्ट्रीय खेल सम्पन्न होने के बाद शूटिंग रेंज के संचालन और शूटिंग उपकरणों का रखरखाव राज्य सरकार के लिए भी महत्वपूर्ण चुनौती है। इस संबंध में दैनिक जागरण ने 17 फरवरी के अंक में खेल सुविधाओं से झोली भरी, अब सहेजने-संजोने की चुनौती शीर्षक से खबर प्रकाशित की थी। खबर प्रकाशित होने के बाद राज्य सरकार के निर्देशों पर खेल विभाग शूटिंग अकादमी के निर्माण की कवायद में जुट गया है। इसका मकसद आने वाले ओलिंपिक के लिए उत्तराखंड से निशानेबाज तैयार करना है। अब तक राज्य के निशानेबाजों को शूटिंग के लिए दिल्ली और भोपाल की एकेडमी पर निर्भर रहना पड़ता था लेकिन उत्तराखंड में शूटिंग अकादमी बनने के बाद राज्य के निशानेबाज यहां विश्वस्तरीय प्रशिक्षण ले सकेंगे।

वहीं निशानेबाजी के क्षेत्र में नई पौध भी तैयार हो सकेगी। आधुनिक शूटिंग उपकरणों के मामले में यह देश की पहली और क्षमता के मामले में भोपाल और दिल्ली के बाद देश की तीसरी शूटिंग रेंज है।

देश के 60 बड़े स्टेशनों पर बनाए जाएंगे होल्डिंग एरिया, प्रयागराज के लिए भी बना बड़ा प्लान

नई दिल्ली (एजेंसी)। रेल मंत्रालय ने नई दिल्ली रेलवे स्टेशन पर भगदड़ की घटना को सबक की तरह लिया है। ट्रेनों एवं रेलवे स्टेशनों में भीड़ प्रबंधन के लिए मैनुअल तैयार किया जाएगा। साथ ही ट्रेन आने के समय अफरातफरी को रोकने के लिए देश के 60 स्टेशनों के बाहर होल्डिंग एरिया बनाया जाएगा, ताकि ट्रेन आने के लगभग आधा घंटा पहले तक यात्रियों को रोका जा सके।

महाकुंभ के दौरान भीड़ प्रबंधन प्रोटोकाल को संशोधित करते हुए रेलवे ने प्रयागराज के आसपास के तीन सौ किलोमीटर के स्टेशनों पर तत्काल प्रभाव से सतर्कता का विशेष प्रबंध किया है। भीड़ बढ़ने पर एक सीमा से ज्यादा प्लेटफार्म टिकट नहीं दिए जाएंगे।

नई दिल्ली रेलवे स्टेशन पर हुई थी भगदड़- नई दिल्ली स्टेशन पर हादसे के बाद रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव ने पत्रकारों से अनौपचारिक बातचीत में 18 लोगों की मौत के कारण भी बताए। हादसे ने रेलवे को भीड़ प्रबंधन के प्रति अतिरिक्त सजग किया है। मंत्रालय का मानना है कि देश में लगभग 60 ऐसे स्टेशन हैं, जहां त्योहारों एवं प्रमुख अवसरों पर भीड़ अचानक बढ़ जाती है। वहां ऐसी व्यवस्था की जाएगी कि जरूरत पड़ने पर होल्डिंग एरिया में ही यात्रियों को रोका जा सके।

बनाए जाएंगे नए नियम- प्लेटफार्म को अनावश्यक भीड़ से बचाने के लिए टिकट देखने के बाद ही यात्रियों को प्लेटफार्म के अंदर प्रवेश की अनुमति होगी।

कैंसर के टीके को लेकर केंद्रीय मंत्री ने कर दी बड़ी घोषणा, महिलाओं को मिलेगा डायरेक्ट लाभ

नई दिल्ली (एजेंसी)। कैंसर का नाम आते ही मन में एक भय सा छा जाता है। इस बीच एक बड़ी खबर कैंसर वैक्सीन को लेकर सामने आई है। केंद्रीय मंत्री प्रतापराव जाधव ने मंगलवार को कहा कि कैंसर से लड़ने के लिए पांच से छह महीने में वैक्सीन उपलब्ध हो जाएगी। उन्होंने कहा कि इस वैक्सीन के लिए नौ से 16 साल की उम्र के लोग भी इसके लिए पात्र होंगे। छत्रपति संभाजीनागा में एक प्रेस वार्ता को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा कि वैक्सीन पर शोध लगभग पूरा हो चुका है और परीक्षण चल रहे हैं।

टेस्ला ने भारत में शुरू की भर्ती, इन पदों पर निकाली वैकेंसी; PM मोदी से मुलाकात के बाद मस्क का कदम

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिग्गज उद्योगपति एलन मस्क की कंपनी टेस्ला जल्द ही भारत में अपना कारोबार शुरू करेगी। पिछले साल दिसंबर में खबर आई कि कंपनी दिल्ली में जगह की तलाश में जुटी है। जहां वह अपना शोरूम खोलने की योजना बना रही है। मगर अब पीएम मोदी से मुलाकात के बाद एलन मस्क की कंपनी ने भारत में भर्ती शुरू कर दी है।

13 पदों पर निकाली भर्ती- टेस्ला ने भर्ती से जुड़ा एक विज्ञापन अपने लिंक्डइन पेज पर साझा किया। कंपनी को कस्टमर फेसिंग और बैंक एंड समेत 13 पदों पर उम्मीदवारों की तलाश है। दिल्ली और मुंबई में टेस्ला को 5-5 लोगों की जरूरत है। ये भर्ती सलाहकार और सर्विस तकनीशियन के पद होगी। वहीं कस्टमर इंगेजमेंट मैनेजर और डिलीवरी ऑपरेशन स्पेशलिस्ट पदों पर भर्ती सिर्फ मुंबई के लिए है।

फैक्ट्री के लिए जगह की तलाश- टेस्ला भारत में अपना प्लांट भी लगाएगी। कंपनी जमीन की तलाश में जुटी है। कंपनी की कोशिश है कि ऑटोमोटिव हब वाले प्रदेशों में प्लांट की स्थापना की जाए। महाराष्ट्र, गुजरात और तमिलनाडु पर उसकी प्राथमिकता में है। माना जा रहा है कि टेस्ला भारत में बनने वाले इस संयंत्र पर तीन अरब डॉलर का निवेश करेगी। माना जा रहा है कि टेस्ला भारत में 20 लाख रुपये की कीमत वाली अपनी सबसे सस्ती इलेक्ट्रिक कार बनाएगी। कुछ समय पहले खबरें यह भी आईं कि पुणे में कंपनी ने एक ऑफिस भी खोला है।

शोरूम की भी तलाश जारी- एलन मस्क की कंपनी दिल्ली और आसपास जगह की तलाश करने में जुटी है। यहां कंपनी अपना शोरूम खोलने पर विचार कर रही है। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक डीएलएफ और टेस्ला के बीच बातचीत भी चल रही है। कंपनी दिल्ली के आसपास कंज्यूमर एक्सपीरियंस सेंटर बनाएगी। इसके लिए उसे 3,000 से 5,000 वर्ग फीट जगह की तलाश है। टेस्ला को डिलीवरी और सर्विस ऑपरेशंस के लिए इससे 3 गुना बड़ी जगह भी चाहिए।

भारत सरकार ने टैरिफ घटाया- भारत में टेस्ला के कारोबार शुरू करने की खबरें कई सालों से आ रही थीं। मगर अब एलन मस्क ने सक्रियता दिखाई है। हाल ही में पीएम मोदी ने अमेरिका में एलन मस्क से मुलाकात भी की थी। भारत में अधिक टैरिफ की वजह से टेस्ला ने दूरी बना रखी थी।

रूस और अमेरिका के बीच वार्ता सऊदी अरब में ही क्यों, मतभेद के बावजूद ट्रंप ने इसे क्यों चुना?

नई दिल्ली (एजेंसी)। यूक्रेन युद्ध पर अमेरिका और रूस के बीच वार्ता सऊदी अरब की राजधानी रियाद में हो रही है। गाजा पर ट्रंप के कब्जे वाले प्लान के खिलाफ सऊदी अरब खुलकर उतर चुका है। उसने साफ कर दिया है कि गाजा से फलस्तीनियों को हटाने की हर कोशिश का विरोध करेंगे। मगर सवाल यह है कि इतने मतभेद के बावजूद डोनाल्ड ट्रंप ने वार्ता के लिए सऊदी अरब को ही क्यों चुना?

तटस्थ रुख एक वजह- जो बाइडन के कार्यकाल में सऊदी अरब ने प्रमुख अंतरराष्ट्रीय सहयोगी के तौर पर अपनी निर्भरता को अमेरिका से काफी कम किया। अधिकांश वैश्विक मामलों में सऊदी अरब ने तटस्थ रुख अपनाया। चीन और रूस जैसे देशों से नजदीकी भी बढ़ाई। डोनाल्ड ट्रंप के चुनाव जीतने पर सऊदी ने खुले तौर पर स्वागत किया। इस तटस्थ रूख की वजह से रूस को भी सऊदी अरब में बैठक आयोजित करने पर कोई आपत्ति नहीं थी।

छवि को बदलना चाहता है सऊदी अरब- पिछले कार्यकाल में डोनाल्ड ट्रंप इजरायल और संयुक्त अरब अमीरात के बीच समझौता करवा चुके हैं। अब वह अपनी सबसे बड़ी उपलब्धि के तौर पर सऊदी अरब और इजरायल के बीच शांति समझौता करवाना चाहते हैं। वार्ता के लिए सऊदी अरब को चुनने के पीछे एक यह भी वजह मानी जा रही है। अगर रूस-अमेरिका वार्ता से कोई हल निकलता है तो इसका श्रेय सऊदी अरब को भी जाएगा। सऊदी अरब पिछले कई साल से अपनी छवि को बदलने में जुटा है।

सऊदी अरब रूस और यूक्रेन के लिए अनुकूल- क्रेमलिन के प्रवक्ता दिमित्री पेस्कोव ने सोमवार को कहा कि यूक्रेन शांति वार्ता के लिए सऊदी अरब को इसलिए चुना गया है, क्योंकि यह रूस और अमेरिका दोनों के लिए अनुकूल जगह है। पुतिन से बातचीत के दौरान डोनाल्ड ट्रंप ने ही यह विचार रखा था। सऊदी अरब में हो रही वार्ता ट्रंप और पुतिन की मुलाकात का मार्ग प्रशस्त करेगा। सउदी अरब के क्राउन प्रिंस मोहम्मद बिन सलमान के रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन और अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के साथ बेहद अच्छे संबंध हैं। यही वजह है ट्रंप के प्रस्ताव पर पुतिन ने कोई आपत्ति नहीं जताई।

व्यापारिक संबंध- सऊदी अरब के अमेरिका के साथ व्यापारिक संबंध भी एक वजह हैं। सऊदी अरब के क्राउन प्रिंस मोहम्मद बिन सलमान ने चार वर्षों में अमेरिका में 600 बिलियन डॉलर के निवेश का वादा किया है।

डोनाल्ड ट्रंप का सऊदी अरब प्रेम- डोनाल्ड ट्रंप का सऊदी अरब से खास लगाव है। वे समय-समय पर इसको जाहिर करते हैं। ट्रंप अपने पहले कार्यकाल में अपनी पहली विदेश यात्रा में सऊदी अरब गए थे।

चैंपियंस ट्रॉफी से पहले पाकिस्तान में बिछ गईं लाशें, आतंकियों ने 64 वाहनों के काफिले को बनाया निशाना

नई दिल्ली (एजेंसी)। पाकिस्तान में चैंपियंस ट्रॉफी से एक दिन पहले बड़ा आतंकी हमला हुआ है। अज्ञात बंदूकधारियों ने अर्धसैनिक बलों को निशाना बनाया। इस हमले में चार जवानों की जान जा चुकी है। पांच अन्य घायल हैं। आतंकवादियों ने यह हमला पाकिस्तान के हिंसा प्रभावित जिले कुर्रम में किया है। कुर्रम में पिछले साल शिया और सुन्नी समुदाय के बीच हिंसा भड़की थी। अफगानिस्तान सीमा के करीब बसे इस जिले में हिंसा का लंबा इतिहास है।

घात लगाकर किया गया हमला- सुरक्षा अधिकारियों ने बताया कि आतंकवादियों ने सोमवार देर रात को लोअर कुर्रम के ओचित क्षेत्र में अर्धसैनिक बल कुर्रम मिलिशिया दस्ते पर घात लगाकर हमला किया। इससे पहले दिन में आवश्यक सामग्री ले जा रहे एक काफिले पर भी घात लगाकर हमला किया गया था। अधिकारियों ने बताया कि घायलों को तुरंत अस्पताल पहुंचाया गया है। जहां एक घायल की हालत नाजुक है।

काफिले पर हमला, दो की मौत- सांप्रदायिक हिंसा प्रभावित कुर्रम जिला पाकिस्तान के खैबर पख्तूनख्वा प्रांत में पड़ता है। यहां सहायता काफिले पर हुए हमले में एक ट्रक चालक की मौत हुई है और 15 अन्य घायल हैं। अधिकारियों के अनुसार कल देर रात एक और घायल की मौत हो गई। अब मृतकों की संख्या बढ़कर दो हो गई है। काफिले में थे 64 वाहन

अधिकारियों के मुताबिक काफिला थल से कुर्रम जा रहा था। रास्ते में कई स्थानों पर काफिले को निशाना बनाया गया। काफिले में कुल 64 वाहन शामिल थे। अधिकारियों ने एहतियात के तौर पर पूरे काफिले को वापस हांगू की ओर मोड़ने का आदेश दिया।

पुरखों से मिले धन को कहां इस्तेमाल कर रही है युवा पीढ़ी? नशा और ऐश छोड़कर इस नेक काम में जुटे युवा

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारत में लोगों के अंदर ये धारणा आम बात है कि, पुरखों से मिली संपत्ति और धन से वो ऐश कर सकते हैं और अपने निजी कामों में इस्तेमाल कर सकते हैं। लेकिन अब दुनिया में काफी बदलाव आ रहा है और आज की युवा पीढ़ी पुरखों से मिले धन को समाज कल्याण में लगा रही है।

नजरिया और प्राथमिकताएं अब बदल रही है। दुनियाभर में कई ऐसे अरबपति हैं जो अपने पुरखों से मिली संपत्ति को दुनिया की भलाई और समाज के कल्याण में लगान चाहते हैं। युवा पीढ़ी पुरखों से मिले धन को परोपकार में लगा रही है।

क्या रणनीति तैयार कर रहे हैं युवा - विरासत में मिली संपत्ति को दुनिया की हित में कैसे इस्तेमाल कर सकते हैं, इस पर ये युवा कॉन्फ्रेंस का आयोजन करते हैं। अमेरिका में ऐसा ही एक इनिशिएटिव मेकिंग मनी मेक चेंज नाम के कॉन्फ्रेंस का आयोजन हुआ।

इस कॉन्फ्रेंस का लक्ष्य भविष्य में ऐसा नजरिया विकसित करना है जहां धन, जमीन और ताकत तीनों समान रूप से साझा होंगे। ये सोच उन वारिसों की है जिन्हें अमेरिकी इतिहास में अब तक का सबसे बड़ा धन विरासत में मिलना है।

पोप फ्रांसिस की हालत स्थिर, श्वसन तंत्र संबंधी संक्रमण के चलते इलाज में किया गया बदलाव

नई दिल्ली (एजेंसी)। लोगों को अपनी चमत्कारिक शक्तियों से ठीक करने वाले पोप फ्रांसिस गंभीर रूप से बीमार हैं। एक सप्ताह तक ब्रोंकाइटिस की समस्या के बाद पोप फ्रांसिस को शुक्रवार को रोम के जेमेली अस्पताल में भर्ती कराया गया था।

दूसरी बार इलाज में बदलाव - वेटिकन ने सोमवार को कहा कि डाक्टरों ने पोप फ्रांसिस के श्वसन पथ के संक्रमण की जटिल स्थिति को देखते हुए दूसरी बार इलाज में बदलाव किया है। वह अभी अस्पताल में ही रहेंगे। वेटिकन के प्रवक्ता माटेओ ब्रूनी ने कहा कि हाल में और सोमवार को कराए गए टेस्ट से पता चला है कि 88 वर्षीय पोप पालीमाइक्रोबियल श्वसन पथ संक्रमण से पीड़ित हैं।

पालीमाइक्रोबियल रोग वायरस, बैक्टीरिया, कवक और परजीवियों की एक साथ उपस्थिति से होता है।

पोप फ्रांसिस की हालत स्थिर - पोप अस्पताल से कब डिस्चार्ज होंगे यह जानकारी नहीं दी गई। लेकिन ब्रूनी ने बताया कि पोप फ्रांसिस की हालत स्थिर है और सोमवार को उन्होंने नाश्ता किया, कुछ कामकाज किया और समाचार-पत्र भी पढ़े।

टोरंटो एयरपोर्ट पर बड़ा हादसा, लैंडिंग के वक्त बर्फीली जमीन पर पलटा विमान; 80 लोग थे सवार

नई दिल्ली (एजेंसी)। कनाडा के पीयरसन अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डे पर बड़ा हादसा देखने को मिला है। लैंडिंग के दौरान डेल्टा एयरलाइंस का एक विमान दुर्घटनाग्रस्त हो गया। दरअसल, विमान जैसे ही लैंडिंग के लिए उतरा बर्फीली जमीन होने के कारण वो पलट गया।

19 घायल, कई लोगों की हालत गंभीर- हादसे में 19 लोग घायल हो गए, जिनमें से तीन की हालत गंभीर है। एयरपोर्ट ने एक्स पर पुष्टि की कि मिनियापोलिस से डेल्टा की उड़ान के साथ एक घटना हुई और 76 यात्री और चार चालक दल के सदस्य घायल हैं।

हादसे में आठ लोग हुए घायल- पुलिस ने बताया कि इस घटना में 19 लोग घायल हुए हैं। घायलों में से एक की हालत गंभीर बताई गई है, जबकि अन्य सात को हल्की चोटें आई हैं। मिनियापोलिस से आई इस फ्लाइट में सभी यात्रियों और चालक दल के सदस्यों को सुरक्षित निकाल लिया गया। एबीसी न्यूज से बात करने वाले सूत्रों के अनुसार, विमान के पलटने और आग लगने के कारणों सहित दुर्घटना के कारणों की अभी भी जांच की जा रही है।

सभी लोग सुरक्षित- क्रैश लैंडिंग के बाद, टोरोंटा पीयरसन अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डे ने कहा कि घटना के तुरंत बाद आपातकालीन टीमें बचाव अभियान में जुट गई। एक्स पर एक पोस्ट शेयर करते हुए एयरलाइन ने लिखा, टोरंटो पियरसन को मिनियापोलिस से आने वाले डेल्टा एयरलाइंस के विमान के लैंडिंग के दौरान हुई घटना की जानकारी है। आपातकालीन टीमें प्रतिक्रिया दे रही हैं। सभी यात्रियों और चालक दल के सदस्यों को सुरक्षित निकाल लिया गया है।

क्या है ट्रंप का गाजा रिजॉर्ट प्लान; अरब से यूरोप तक विरोध क्यों, क्या रोक पाएंगे अरब देश?

नई दिल्ली (एजेंसी)। इजरायल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू से मुलाकात के दौरान अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने गाजा पट्टी को खाली कराने और पुनर्निर्माण का प्लान दुनिया के सामने साझा। डोनाल्ड ट्रंप गाजा पट्टी को मध्य पूर्व का रिवेरा बनाना चाहते हैं। ट्रंप ने खुद कहा कि इस पर बड़ी रकम खर्च होगी। फलस्तीनियों को गाजा छोड़ना होगा। ट्रंप पूरे गाजा पट्टी को रिजॉर्ट में बदलना चाहते हैं। मगर अरब देश उनके प्लान के खिलाफ हैं।

डोनाल्ड ट्रंप गाजा पट्टी पर अमेरिका की वर्षों पुरानी नीति को पलटने के मूड में है। ट्रंप की योजना पूरे गाजा पर कब्जा करने की है। सबसे पहले गाजा के लोगों को उनके घरों से हटाया जाएगा। इसके बाद वहां बची बाकी इमारतों को ढहाया जाएगा। अमेरिका के कब्जे के बाद पूरे गाजा पट्टी को दोबारा विश्वस्तरीय पर्यटन नगरी के तौर पर विकसित किया जाएगा। रेलवे, सड़क और बंदरगाहों का विकास किया जाएगा। ट्रंप का मानना है कि यह आधुनिक शहर दुनियाभर के लोगों को अपनी और खींचेगा।

डोनाल्ड ट्रंप ने यह स्पष्ट रूप से नहीं बताया कि अमेरिका गाजा पर कब्जा कैसे करेगा। मगर उन्होंने कहा कि युद्ध समाप्त होने के बाद इजरायल गाजा को अमेरिका को सौंप देगा। बता दें कि अमेरिका का गाजा पर कोई कानूनी दावा नही हैं। डोनाल्ड ट्रंप लगभग 22 लाख फलस्तीनी नागरिकों को मिस्र और जॉर्डन में बसाना चाहते हैं। ष्उन्होंने कहा कि गाजा के बाहर मिस्र और जॉर्डन में छह सुरक्षित समुदाय बनाए जाएंगे। यहां फलस्तीनी रह सकेंगे।

यूक्रेन को मजबूत सुरक्षा गारंटी देनी होगी, मैक्रों ने ट्रंप और जेलेंस्की से की बात

फ्रांस के राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों ने अमेरिका राष्ट्रपति और यूक्रेनी राष्ट्रपति वोलोडिमिर जेलेंस्की से बात की। मैक्रों ने कहा कि रूस को अपनी आक्रामकता को खत्म करना चाहिए। उन्होंने यूक्रेन के लिए मजबूत सुरक्षा गारंटी पर जोर दिया। मैक्रों ने यूरोप, अमेरिका और यूक्रेन को साथ मिलकर काम करने का सुझाव दिया।

यूक्रेन को सुरक्षा की गारंटी देनी होगी- अपने आधिकारिक एक्स अकाउंट पर मैक्रों ने लिखा कि कई यूरोपीय नेताओं को एक साथ लाने के बाद मैंने राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप और बाद में यूक्रेनी राष्ट्रपति जेलेंस्की से बात की। हम यूक्रेन में एक मजबूत और स्थायी शांति चाहते हैं। इसके खातिर रूस को अपनी आक्रामकता समाप्त करनी होगी।

मैक्रों ने आगे कहा कि हमें यूक्रेन के लोगों को मजबूत और विश्वसनीय सुरक्षा गारंटी भी देनी होगी। वरना इस बात का खतरा है कि यह युद्धविराम मिन्स्क समझौतों की तरह खत्म हो जाएगा। साथ मिलकर काम करना होगा

मैक्रों ने आगे कहा कि यूरोपीय, अमेरिकी और यूक्रेनियन एक साथ मिलकर इस पर काम करेंगे। यही कुंजी है। आज और भविष्य के लिए यूरोपीय लोगों को अपनी सुरक्षा और रक्षा में अधिक और साथ मिलकर काम करना चाहिए।

सुरक्षा गारंटी पर जेलेंस्की का जोर- यूक्रेनी राष्ट्रपति जेलेंस्की ने यूरोपीय नेताओं से बात कही। बाद में उन्होंने फ्रांस के राष्ट्रपति के साथ हुई बातचीत का विवरण साझा किया। जेलेंस्की का पूरा जोर यूक्रेन के लिए मजबूत और विश्वसनीय सुरक्षा गारंटी हासिल करने पर था।

महाकुंभ में कई जगह स्नान के लायक भी नहीं पानी, सीपीसीबी की रिपोर्ट से हड़कंप; अधिकारियों से मांगा गया जवाब

नई दिल्ली (एजेंसी)। प्रयागराज में चल रहे महाकुंभ के दौरान विभिन्न स्थानों पर फीकल कोलीफोर्म का स्तर बढ़ गया है। कई जगहों पर जल स्नान के लायक नहीं है। केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड (सीपीसीबी) ने रिपोर्ट दायर कर सोमवार को नेशनल ग्रीन ट्रिब्यूनल को यह जानकारी दी।

दरअसल, सीपीसीबी के अनुसार फीकल कोलीफोर्म सीवेज प्रदूषण का संकेतक है। इसकी मात्रा 100 मिलीलीटर पानी में 2,500 यूनिट तक होनी चाहिए।

रिपोर्ट में क्या आया सामने- प्रयागराज में गंगा और यमुना नदियों में सीवेज प्रवाह को रोकने के मुद्दे पर सुनवाई कर रही एनजीटी अध्यक्ष जस्टिस प्रकाश श्रीवास्तव, न्यायिक सदस्य जस्टिस सुधीर अग्रवाल और विशेषज्ञ सदस्य ए. सेंथिल वेल की पीठ ने कहा कि सीपीसीबी ने रिपोर्ट दायर की थी, जिसमें कुछ उल्लंघनों की ओर इशारा किया गया था।

रिपोर्ट में कहा गया है कि निगरानी वाले स्थानों पर फीकल कोलीफोर्म (एफसी) के संबंध में नदी के जल की गुणवत्ता स्नान के लायक नहीं थी। महाकुंभ मेले के दौरान, बड़ी संख्या में लोग प्रयागराज में गंगा नदी में स्नान करते हैं, जिससे फीकल कोलीफोर्म की मात्रा में वृद्धि हुई है।

हाइवे पर BMW और फॉर्च्यूनर से खतरनाक स्टंट, वीडियो वायरल होने पर 2 गिरफ्तार

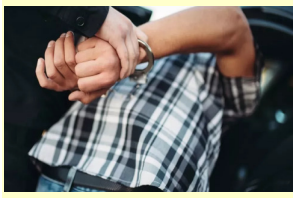

नई दिल्ली (एजेंसी)। तेलंगाना की राजधानी हैदराबाद में दो युवकों को स्टंट करना भारी पड़ गया। पुलिस ने दोनों युवकों को गिरफ्तार करके उनकी लग्जरी कारों को जब्त कर लिया है। स्टंट का वीडियो वायरल होने के बाद हैदराबाद पुलिस ने यह कदम उठाया। पुलिस ने सीसीटीवी फुटेज के आधार पर राजेंद्र नगर और मलकपेट के रहने वाले दोनों युवकों को पकड़ा है।

हाईवे के बीच घुमाई गोल-गोल कार- पुलिस के मुताबिक हैदराबाद आउटर रिंग रोड पर एक छात्र ने अपनी फॉर्च्यूनर कार से स्टंट किया। उसने हैंडब्रेक का इस्तेमाल करके पूरी कार को हाइवे के बीचोंबीच गोल-गोल घूमा दिया। घटना नौ फरवरी की बताई जा रही है। एक बीएमडब्ल्यू कार ने भी ऐसा ही स्टंट किया। अब वीडियो वायरल होने के बाद पुलिस ने एक्शन लिया है।

नंबर प्लेट हटा किया स्टंट- राजीव गांधी इंटरनेशनल एयरपोर्ट (आईजीआई) पुलिस ने वायरल वीडियो के आधार पर युवकों की तलाश की। मगर दोनों युवकों ने अपनी कारों से नंबर प्लेट हटा दी थी ताकि पुलिस उन तक पहुंच न सके। पुलिस के मुताबिक स्टंट की घटना आउटर रिंग रोड पर शमशाबाद के पास की है।

बेंगलुरु में जल बोर्ड हुआ सख्त, इन कामों पर इस्तेमाल किया पीने वाला पानी तो लगेगा 5000 जुर्माना

नई दिल्ली (एजेंसी)। बेंगलुरु जल आपूर्ति और सीवरेज बोर्ड ने गर्मियों में पानी के संकट से निपटने की तैयारी शुरू कर दी है। अगर किसी ने गैर-जरूरी गतिविधि में पीने वाले पानी का इस्तेमाल किया तो उसे भारी जुर्माना चुकाना पड़ेगा।

पिछले साल गर्मियों में बेंगलुरु को पानी के संकट से जूझना पड़ा था। शहर का भूजल स्तर भी लगातार गिर रहा है। संभावित संकट से पहले ही जलबोर्ड ने पीने वाले पानी को बचाने की कोशिश शुरू कर दी है। कावेरी नदी से बेंगलुरु को रोजाना लगभग 1450 मिलियन लीटर और भूजल से 700 मिलियन लीटर पानी की जरूरत है।

5000 रुपये का जुर्माना- जलबोर्ड ने निर्माण, वाहनों को धोने, बागवानी और स्विमिंग पुल समेत अन्य गैर-जरूरी कामों में पीने वाले पानी के इस्तेमाल पर रोक लगा दी है। अगर किसी ने बोर्ड के आदेश का उल्लंघन किया तो उसे पांच हजार रुपये का जुर्माना चुकाना होगा। बार-बार उल्लंघन करने पर 500 रुपये रोजाना के हिसाब से और जुर्माना देना पड़ेगा।

पिछली गर्मियों में जल संकट के बाद बेंगलुरू में जुर्माना का एलान किया गया। अगर कोई व्यक्ति कार धोने और पौधों को पीने योग्य पानी देता है तो जल बोर्ड अधिनियम की धारा 109 के तहत 5,000 रुपये का जुर्माना लगाया जाएगा।

साल 3025 में कैसी होगी दुनिया; गहरा रंग, छोटा कद और छोटे मस्तिष्क के साथ कैसा दिखेगा इंसान?

नई दिल्ली (एजेंसी)। जैसे-जैसे तकनीक आगे बढ़ रही है, इंसानों में भी काफी तरह के बदलाव हो रहे हैं। तकनीक, अंतरिक्ष यात्रा और जलवायु परिवर्तन, ये तीन मुख्य कारण है जिसकी वजह से दुनिया काफी तेजी से बदल रही है। विशेषज्ञों का मानना है कि इन चीजों की वजह से इंसान भी काफी ज्यादा बदल जाएंगे।

अमेरिका, ब्रिटेन और ऑस्ट्रेलिया के शोधकर्ताओं ने एक शोध के बाद ये कल्पना की है कि मानव जाति किस तरह विकसित हो सकती है। यूनिवर्सिटी कॉलेज ऑफ लंदन के प्रोफेसर थॉमस का मानना है कि आने वाले एक हजार वर्षों महिलाओं को अपने साथी चुनने की अधिक स्वतंत्रता होगी।

ऐसे में महिलाओं द्वारा सफल, बुद्धिमान, अच्छे दिखने वाले या अन्य आकर्षक गुणों वाले पुरुषों के चयन की अधिक संभावना होगी। इससे औसत व्यक्ति अधिक आकर्षक, सफल या बुद्धिमान हो सकता है।

एग्लिया रस्किन यूनिवर्सिटी में जैव सूचना विज्ञान के प्रोफेसर डॉ. जेसन हॉजसन का माननना है कि भविष्य में इंसान अधिक समान दिखेंगे। जैसे-जैसे मानवता अधिक मिश्रित होगी और सांस्कृतिक या नस्लीय बाधाएं टूटेंगी, इंसान की त्वचा का रंग गहरा और समानताएं बढ़ती जाएंगी। आने वाले समय में अंतरजातीय विवाह और लंबी दूरी का प्रवास अधिक सामान्य होने की संभावना है।

जल्दी परिपक्व होने की चाहत में घटेगा कद- प्रोफेसर थॉमस के अनुसार, जल्दी परिपक्वता तक पहुंचने से जीवों को अपने जीवनकाल में अधिक संतानें पैदा करने की अनुमति मिलती है। लेकिन जल्द परिपक्व होना छोटे कद से जुड़ा पाया गया है। ऐसे में जल्दी परिपक्व होने वाले लोग अधिक बच्चे पैदा करते हैं, तो भविष्य की जनसंख्या में छोटे कद के जीन बढ़ सकते हैं।

कौन हैं रणवीर इलाहाबादिया का केस लड़ने वाले वकील अभिनव चंद्रचूड़? जानिए इनसे जुड़ी बातें

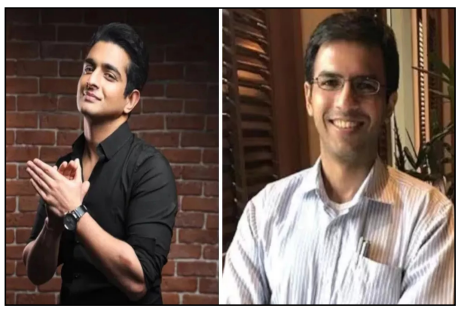

नई दिल्ली (एजेंसी)। सुप्रीम कोर्ट ने मंगलवार को पॉडकास्टर रणवीर इलाहाबादिया को कड़ी फटकार लगाई। अदालत ने कहा कि इनके दिमाग में गंदगी भरी है। इस पर हम क्या सुनवाई करे? इनकी बातों से पूरा समाज शर्मिंदा है। ऐसे व्यवहार की निंदा की जानी चाहिए।

अदालत ने रणवीर को जांच में सहयोग करने का निर्देश दिया। इसके साथ ही गिरफ्तारी पर रोक लगा दी है। सुप्रीम कोर्ट में वरिष्ठ अधिवक्ता अभिनव चंद्रचूड़ ने रणवीर इलाहाबादिया का पक्ष रखा।

रणवीर के वकील अभिनव चंद्रचूड़ देश के पूर्व मुख्य न्यायाधीश डीवाई चंद्रचूड़ के बेटे हैं। अभिनव चंद्रचूड़ माननीय न्यायमूर्ति डीपी मैडन पुरस्कार भी जीत चुके हैं। अभिनव ने अपने पिता के मुख्य न्यायाधीश के पद पर रहते हुए कभी भी शीर्ष अदालत में कोई केस नहीं लड़ा। अभिनव के दादा न्यायमूर्ति वाईवी चंद्रचूड़ भारत के सबसे लंबे समय तक सेवा करने वाले मुख्य न्यायाधीश थे।

अभिनव अंतरराष्ट्रीय लॉ फर्म गिब्सन और डन एंड क्रचर में काम कर चुके हैं। मौजूद समय में वे बॉम्बे हाई कोर्ट के वरिष्ठ अधिवक्ता हैं। अभिनव हार्वर्ड लॉ स्कूल में डाना स्कॉलर भी रह चुके हैं।

अभिनव ने साल 2008 में मुंबई के गवर्नमेंट लॉ कॉलेज से एलएलबी और बीएलएस की डिग्री हासिल की। एक साल बाद 2009 में हार्वर्ड लॉ स्कूल से एलएलएम की पढ़ाई पूरी की।

फ्रैंकलिन फैमिली स्कॉलर रहे अभिनव चंद्रचूड़ ने स्टैनफोर्ड लॉ स्कूल से मास्टर ऑफ द साइंस ऑफ लॉ और डॉक्टर ऑफ द साइंस ऑफ लॉ की उपाधि हासिल की।

अभिनव चंद्रचूड़ कई पुस्तक के लेखक भी हैं। उन्होंने 2017 में फ्री स्पीच एंड द कॉन्स्टिट्यूशन ऑफ इंडिया और 2018 में सुप्रीम व्हिस्पर्स कन्वर्सेशन विद जजेज ऑफ द सुप्रीम कोर्ट ऑफ इंडिया 1980-1989 किताब लिखी।

ब्रिटिश नागरिक क्रिश्चियन मिशेल को सुप्रीम कोर्ट से मिली जमानत, दिल्ली HC ने याचिका की थी खारिज

नई दिल्ली (एजेंसी)। अगस्ता वेस्टलैंड हेलिकॉप्टर घोटाले में कथित आरोप क्रिश्चियन मिशेल जेम्स को मंगलवार को सुप्रीम कोर्ट से बड़ी राहत मिली है। सीबीआई के 3600 करोड़ रुपये के कथित अगस्ता वेस्टलैंड मामले में मिशेल को जमानत मिल गई है।

इससे पहले दिल्ली हाई कोर्ट से मिशेल को झटका लगा था, जब हाई कोर्ट ने उसे जमानत देने से इनकार कर दिया था। इसके बाद मिशेल ने सुप्रीम कोर्ट का रुख किया था और याचिका दायर की थी।

सुप्रीम कोर्ट ने एक याचिका कर दी थी खारिज - इससे पहले सुप्रीम कोर्ट ने क्रिश्चियन मिशेल जेम्स की एक याचिका को खारिज कर दिया था। उस याचिका में मिशेल ने कोर्ट से कहा था कि उसे इस आधार पर जमानत पर रिहा किया जाए कि वो मामले में आधी सजा काट चुका है।

जेम्स ने सीआरपीसी की धारा 436ए के तहत जमानत मांगी थी। इसमें कहा गया था कि किसी व्यक्ति को जमानत पर रिहा किया जा सकता है।

सुप्रीम कोर्ट की पीठ का फैसला- न्यायमूर्ति विक्रम नाथ और न्यायमूर्ति संदीप मेहता की पीठ ने कहा कि जेम्स पिछले छह वर्षों से हिरासत में था जबकि मामले की जांच अभी भी चल रही थी। शीर्ष अदालत ने कहा कि जेम्स को ट्रायल कोर्ट द्वारा तय किए गए नियमों और शर्तों के अधीन जमानत पर रिहा किया जाएगा।

2018 में दुबई से भारत लाया गया था मिशेल

बता दें, कथित घोटाला हेलिकॉप्टर डिजाइन और निर्माण कंपनी अगस्ता वेस्टलैंड से 12 वीवीआईपी हेलीकॉप्टरों की खरीद से संबंधित है।

जेम्स ने मामले में जमानत देने से इनकार करने के दिल्ली उच्च न्यायालय के 25 सितंबर, 2024 के आदेश को चुनौती देते हुए शीर्ष अदालत का रुख किया था। ब्रिटिश नागरिक जेम्स को दिसंबर, 2018 में दुबई से प्रत्यर्पित किया गया था और बाद में गिरफ्तार कर लिया गया था।

दैनिक हिन्दकुश
hindkush.in
24x7 News portal
सर्वे भवन्तु सुखिनः
उजैन, इंदौर, भोपाल से प्रकाशित
jagrayam.com
online news magazine
हिन्दकुश मीडिया
hindkushmedia@gmail.com
jagrayam@gmail.com

हिन्दकुश

हिन्द : भारत कुश : पवित्र तृण

मानव जीवन में सदैव उतार-चढाव आता है व्यक्ति को कभी इससे घबराना नहीं चाहिए।
पं. श्रीराम शर्मा आचार्य

सर्वे भवन्तु सुखिनः सर्वे सन्तु निरामयाः सर्वे भद्राणि पश्यन्तु मा कश्चिद् दुःख भागभवेत्
सभी सुखी हो, सभी निरोगी रहे, सभी का शुभ हो, कोई भी दुखी न हो।

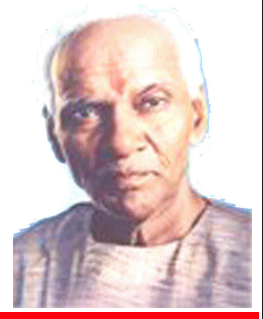

विक्रम संवत 2079 फाल्गुन सप्तमी

संपादकीय

हमारे पर्यावरण में मौजूद रसायन दवाओं के असर में हस्तक्षेप करते हैं

आपको यह सुनकर जरूर आश्चर्य होगा कि हमारे पर्यावरण में मौजूद रसायन दवाओं के असर में हस्तक्षेप करते हैं। वैज्ञानिकों का कहना है कि इन रसायनों की पहचान करने से दवाइयों को बेहतर तरीके से काम करने में मदद मिल सकती है।

आपके जीन आपकी ऊंचाई, बालों और आंखों के रंग और त्वचा की रंगत को निर्धारित करने में एक प्रमुख भूमिका निभाते हैं, लेकिन वे आपकी पूरी कहानी नहीं बताते हैं। आपके व्यक्तित्व, आपकी पसंद और नापसंद और आपके स्वास्थ्य को आकार देने में आपका पर्यावरण अविश्वसनीय रूप से महत्वपूर्ण है। वास्तव में, आपके ऊपर आपके आहार, सामाजिक संपर्क, प्रदूषण से संपर्क, शारीरिक गतिविधि और और शिक्षा के प्रभाव अक्सर आनुवंशिकी के प्रभावों और अन्य विशेषताओं से अधिक होते हैं जो आपको परिभाषित करती हैं। वैज्ञानिकों का कहना है कि यदि हम पता लगा लें कि आपके जीन और पर्यावरण अस्थमा, हृदय रोग, कैंसर, डिमेंशिया और अन्य दशाओं के विकास की संभावना को कैसे बढ़ाते हैं, तो चिकित्सा के तौर-तरीकों में एक बड़ा बदलाव आ सकता है। जीनोमिक्स विज्ञान का एक तेजी से उभरता हुआ क्षेत्र है। यह जीव विज्ञान की एक शाखा है जो जीनोम के अध्ययन से संबंधित है। जीनोम एक जीव के डीएनए का पूरा सेट होता है, जिसमें उसके सभी जीन और अन्य डीएनए सीक्वेंस शामिल होते हैं।

जीनोमिक्स में जीनोम की संरचना, कार्य और विकास का अध्ययन किया जाता है। इसमें जीनों की पहचान, उनके कार्यों का विश्लेषण और जीनोमिक डेटा के विश्लेषण के लिए कंप्यूटर तकनीकों का उपयोग शामिल है। जीनोमिक्स का उपयोग करके नई दवाओं और उपचारों का विकास किया जा सकता है। जीनोमिक्स का उपयोग करके फसलों की उत्पादकता और गुणवत्ता में सुधार किया जा सकता है। पारिस्थितिकी जीनोमिक्स का उपयोग करके पारिस्थितिक तंत्र की समझ में सुधार किया जा सकता है। जीनोमिक्स के क्षेत्र ने बीमारी के जोखिम से जुड़ी आनुवंशिक विविधताओं की एक विस्तृत श्रृंखला के लिए अस्पताल और घर दोनों में परीक्षण करना अपेक्षाकृत सरल बना दिया है। हाल के वर्षों में, विज्ञान कई बीमारियों के जोखिम को बढ़ाने वाले पर्यावरणीय अपराधियों को ट्रैक करने और आपके व्यक्तिगत पर्यावरणीय जोखिमों के आधार पर उपचारों को अनुकूलित करने के तरीकों की पहचान करने में प्रगति कर रहा है। जीनोमिक्स के साथ ही एक्सपोसोमिक्स भी एक उभरता हुआ विज्ञान है जो आपके जीव विज्ञान को प्रभावित करने वाले सभी भौतिक, रासायनिक, जैविक और सामाजिक कारकों का अध्ययन करता है।एक्सपोसोम दरअसल एक अवधारणा है जिसमें आपके सभी पर्यावरणीय जोखिम शामिल होते हैं। जैसे शोधकर्ता जीनोमिक्स का अध्ययन करने के लिए डीएनए सीक्वेंसर का उपयोग करते हैं, वैसे ही एक्सपोसोमिक्स में वैज्ञानिक स्वास्थ्य पर हजारों पर्यावरणीय कारकों के प्रभावों को मापने के लिए रसायन विज्ञान और उच्च तकनीक वाले सेंसर का उपयोग करते हैं। हम जानते हैं कि दवाएं हमेशा काम नहीं करतीं। कई लोगों के लिए, कुछ दशाओं के इलाज के लिए मानक दवा उपचार बस काम नहीं करते हैं। रक्तचाप को नियंत्रित करने के लिए अक्सर महीनों के परीक्षण की आवश्यकता होती है। इसी तरह डिप्रेशन के लिए उपयुक्त उपचार योजना की पहचान करने में महीनों या वर्षों तक का समय लग सकता है। सिर्फ अमेरिका में दवाओं के कारण होने वाले प्रतिकूल परिणामों के कारण हर साल दस लाख से अधिक लोगों को अस्पतालों के आपातकालीन विभागों के चक्कर लगाने पड़ते हैं। रोगियों के बीच दवा के प्रभावों में ये अंतर किस वजह से होता है? क्या यह उनके जीन हैं?

छत्रपति शिवाजीराजे भोसले

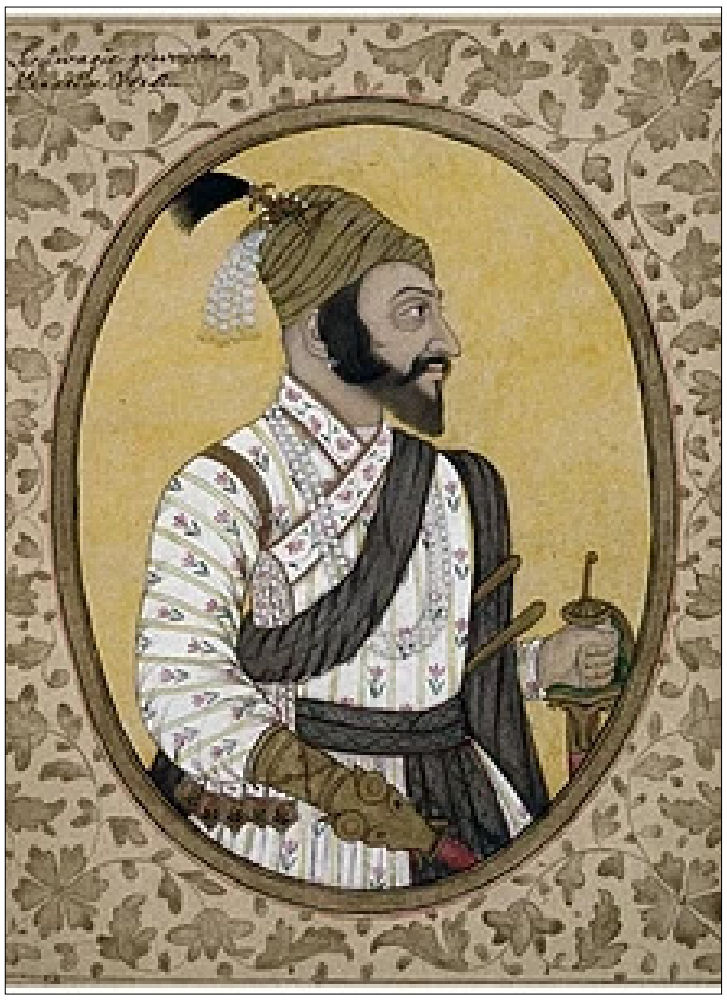

छत्रपति शिवाजीराजे भोसले भारत के एक महान राजा एवं रणनीतिकार थे जिन्होंने 1674 ई. में पश्चिम भारत में मराठा साम्राज्य की नींव रखी। इसके लिए उन्होंने मुगल साम्राज्य के शासक औरंगज़ेब से संघर्ष किया। सन् 1674 में रायगढ़ में उनका राज्याभिषेक हुआ और वह छत्रपति बने। तत्वदर्शी संत मिला होता तो शिवाजीराजे मोक्ष का मार्ग चुनते। छत्रपती शिवाजी महाराज ने अपनी अनुशासित सेना एवं सुसंगठित प्रशासनिक इकाइयों कि सहायता से एक योग्य एवं प्रगतिशील प्रशासन प्रदान किया। उन्होंने समर-विद्या में अनेक नवाचार किए तथा छापामार युध गोरिल्ला युद्धनीति की नई शैली (शिवसूत्र) विकसित की। गोरिल्ला युद्धनीति/छापामार युद्धनीति के जनक मराठा हि थे। उन्होंने प्राचीन हिन्दू राजनीतिक प्रथाओं तथा दरबारी शिष्टाचारों को पुनर्जीवित किया और मराठी एवं संस्कृत को राजकाज की भाषा बनाया। वे भारतीय स्वाधीनता संग्राम में नायक के रूप में स्मरण किए जाने लगे। बाल गंगाधर तिलक ने राष्ट्रीयता की भावना के विकास के लिए शिवाजीराजे जन्मोत्सव की शुरुआत की

मालोजीराजे भोसले (1552-1597) अहमदनगर सल्तनत के एक प्रभावशाली जनरल थे, पुणे चाकण और इंदापुर के देशमुख थे। मालोजीराजे के बेटे शहाजीराजे भी बीजापुर सुल्तान के दरबार में बहुत प्रभावशाली राजनेता थे। शहाजी राजे अपने पत्नी जिजाबाई से शिवाजी का जन्म हुआ।

आरम्भिक जीवन- शिवाजी का जन्म 19 फरवरी, 1630 को शिवनेरी दुर्ग में हुआ था। उनके पिता शाहजीराजे भोंसले एक शक्तिशाली सामंत राजा एवं कूर्मि कुल में जन्मे थे। उनकी माता जिजाबाई जाधवराव कुल में उत्पन्न असाधारण प्रतिभाशाली महिला थी। शिवाजी के बड़े भाई का नाम सम्भाजीराजे था जो अधिकतर समय अपने पिता शहाजीराजे भोसले के साथ ही रहते थे। शहाजीराजे कि दूसरी पत्नी तुकाबाई मोहिते थीं। उनसे एक पुत्र हुआ जिसका नाम व्यंकोजीराजे था। शिवाजी महाराज के चरित्र पर माता-पिता का बहुत प्रभाव पड़ा। उनका बचपन उनकी माता के मार्गदर्शन में बीता। उन्होंने राजनीति एवं युद्ध की शिक्षा ली थी। वे उस युग के वातावरण और घटनाओं को भली प्रकार समझने लगे थे। उनके हृदय में स्वाधीनता की लौ प्रज्ज्वलित हो गयी थी। उन्होंने कुछ स्वामिभक्त साथियों का संगठन किया। शिवाजी की माता जीजाबाई बड़ी ही धार्मिक प्रवृत्ति की थी। उनका इनके जीवन पर अत्यधिक अच्छा प्रभाव पड़ा।

वैवाहिक जीवन- शिवाजी का विवाह सन् 14 मई 1640 में सइबाई निंबाळ्कर (सई भोसले) के साथ लाल महल, पुणे में हुआ था। सई भोसले शिवाजी की पहली और प्रमुख पत्नी थीं। वह अपने पति के उत्तराधिकारी सम्भाजी की मां थीं। शिवाजी ने कुल 8 विवाह किए थे। वैवाहिक राजनीति के जरिए उन्होंने सभी मराठा सरदारों को एक छत्र के नीचे लाने में सफलता प्राप्त की।

शिवाजी की पत्नियाँ

सईबाई निंबालकर - (सम्भाजी, रानूबाई, सखूबाई, अंबिकाबाई)

सोयराबाई मोहिते - (राजाराम, दीपाबाई)

सकवरबाई गायकवाड ङ्क (कमलाबाई)

सगुणाबाई शिर्के ङ्क (राजकुवरबाई)

पुतलाबाई पालकर

काशीबाई जाधव

लक्ष्मीबाई विचारे

गुंवांताबाई इंगले

सैनिक वर्चस्व का आरम्भ- उस समय बीजापुर का राज्य आपसी संघर्ष तथा विदेशी आक्रमण काल के दौर से गुजर रहा था। ऐसे साम्राज्य के सुल्तान की सेवा करने के बदले उन्होंने मावलों को बीजापुर के खिलाफ़ संगठित करने लगे। मावल प्रदेश पश्चिम घाट से जुड़ा है और कोई 150 किलोमीटर लम्बा और 30 किलोमीटर चौड़ा है। वे संघर्षपूर्ण जीवन व्यतीत करने के कारण कुशल योद्धा माने जाते हैं। इस प्रदेश में मराठा और सभी जाति के लोग रहते हैं। शिवाजी महाराज इन सभी जाति के लोगों को लेकर मावलों (मावळा) नाम देकर सभी को संगठित किया और उनसे सम्पर्क कर उनके प्रदेश से परिचित हो गए थे। मावल युवकों को लाकर उन्होंने दुर्ग निर्माण का कार्य आरम्भ कर दिया था। मावलों का सहयोग शिवाजी महाराज के लिए बाद में उतना ही महत्वपूर्ण साबित हुआ जितना शेरशाह सूरी के लिए अफ़गानों का साथ।

उस समय बीजापुर आपसी संघर्ष तथा मुगलों के आक्रमण से परेशान था। बीजापुर के सुल्तान आदिलशाह ने बहुत से दुर्गों से अपनी सेना हटाकर उन्हें स्थानीय शासकों या सामंतो के हाथ सौंप दिया था। जब आदिलशाह बीमार पड़ा तो बीजापुर में अराजकता फैल गई और शिवाजी महाराज ने अवसर का लाभ उठाकर बीजापुर में प्रवेश का निर्णय लिया। शिवाजी महाराज ने इसके बाद के दिनों में बीजापुर के दुर्गों पर अधिकार करने की नीति अपनाई। सबसे पहला दुर्ग था रोहिदेश्वर का दुर्ग।

दुर्गों पर नियंत्रण- रोहिदेश्वर का दुर्ग सबसे पहला दुर्ग था जिसके शिवाजी महाराज ने सबसे पहले अधिकार किया था। उसके बाद तोरणा का दुर्ग जोपुणे के दक्षिण पश्चिम में 30 किलोमीटर की दूरी पर था। शिवाजी ने सुल्तान आदिलशाह के पास अपना दूत भेजकर खबर भिजवाई की वे पहले किलेदार की तुलना में बेहतर रकम देने को तैयार हैं और यह क्षेत्र उन्हें सौंप दिया जाए। उन्होंने आदिलशाह के दरबारियों को पहले ही रिश्वत देकर अपने पक्ष में कर लिया था और अपने दरबारियों की सलाह के मुताबिक आदिलशाह ने शिवाजी महाराज को उस दुर्ग का अधिपति बना दिया। उस दुर्ग में मिली सम्पत्ति से शिवाजी महाराज ने दुर्ग की सुरक्षात्मक कमियों की मरम्मत का काम करवाया। इससे कोई 10 किलोमीटर दूर राजगढ़ का दुर्ग था और शिवाजी महाराज ने इस दुर्ग पर भी अधिकार कर लिया।शिवाजी महाराज की इस साम्राज्य विस्तार की नीति की भनक जब आदिलशाह को मिली तो वह क्षुब्ध हुआ। उसने शाहजी राजे को अपने पुत्र को नियन्त्रण में रखने को कहा। शिवाजी महाराज ने अपने पिता की परवाह किए बिना अपने पिता के क्षेत्र का प्रबन्ध अपने हाथों में ले लिया और नियमित लगान बन्द कर दिया। राजगढ़ के बाद उन्होंने चाकन के दुर्ग पर अधिकार कर लिया और उसके बाद कोंडना के दुर्ग पर अधिकार किया। परेशान होकर सबसे काबिल मिर्जाराजा जयसिंह को भेजकर शिवाजी के 23 किलों पर कब्जा किया। उसने पुरंदर के किले को नष्ट कर दिया। शिवाजी को इस संधि कि शर्तो को मानते हुए अपने पुत्र संभाजी को मिर्जाराजा जयसिंह को सौपना पड़ा। बाद में शिवाजी महाराज के मावला तानाजी मालुसरे ने कोंढाणा दुर्ग पर कब्जा किया पर उस युद्ध में वह वीरगति को प्राप्त हुआ उसकी याद में कोंडना पर अधिकार करने के बाद उसका नाम सिंहगढ़ रखा गया।

शाहजी राजे को पुणे और सूपा की जागीरदारी दी गई थी और सूपा का दुर्ग उनके सम्बंधी बाजी मोहिते के हाथ में थी। शिवाजी महाराज ने रात के समय सूपा के दुर्ग पर आक्रमण करके दुर्ग पर अधिकार कर लिया और बाजी मोहिते को शाहजी राजे के पास कर्नाटक भेज दिया। उसकी सेना का कुछ भाग भी शिवाजी महाराज की सेवा में आ गया। इसी समय पुरन्दर के किलेदार की मृत्यु हो गई और किले के उत्तराधिकार के लिए उसके तीनों बेटों में लड़ाई छिड़ गई। दो भाइयों के निमंत्रण पर शिवाजी महाराज पुरन्दर पहुंचे और कूटनीति का सहारा लेते हुए उन्होंने सभी भाइयों को बन्दी बना लिया। इस तरह पुरन्दर के किले पर भी उनका अधिकार स्थापित हो गया। 1647 ईस्वी तक वे चाकन से लेकर नीरा तक के भूभाग के भी अधिपति बन चुके थे। अपनी बढ़ी सैनिक शक्ति के साथ शिवाजी महाराज ने मैदानी इलाकों में प्रवेश करने की योजना बनाई।

कैसे खुलेगा ई-इंश्योरेंस अकाउंट, क्या हैं इसके फायदे

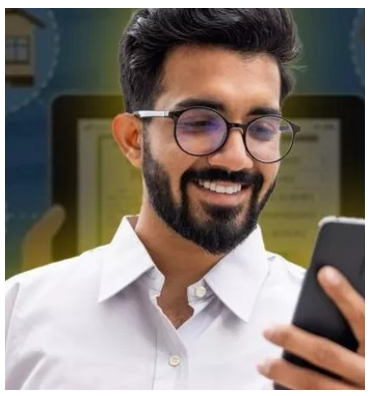

नई दिल्ली (एजेंसी)। बीमा पॉलिसी खरीदना तो आसान होता है, लेकिन उनकी फिजिकल कॉपी को संभालना, रिन्युअल डेट याद रखना और क्लेम प्रोसेस को मैनेज करना कई बार मुश्किल हो जाता है। इसी समस्या के समाधान के लिए ई-इंश्योरेंस अकाउंट की सुविधा उपलब्ध कराई गई है। इस डिजिटल अकाउंट के जरिए आप अपनी सभी बीमा पॉलिसी को एक ही जगह पर मैनेज कर सकते हैं।

ई-इंश्योरेंस अकाउंट क्या है- ई-इंश्योरेंस अकाउंट एक डिजिटल प्लेटफॉर्म है, जहां सभी बीमा पॉलिसी को एक साथ सुरक्षित रखा जा सकता है। इस बीमा रिपॉजिटरी ऑपरेट करती है, जिसे बीमा रेगुलेटरी एंड डेवलपमेंट अथॉरिटी ऑफ इंडिया से मान्यता मिली हुई है। इससे पॉलिसीधारकों को उनकी पॉलिसी से जुड़े दस्तावेजों को फिजिकल रूप में रखने की जरूरत नहीं पड़ती।

ई-इंश्योरेंस अकाउंट के फायदे - आपको अलग-अलग पॉलिसी डॉक्युमेंट्स संभालने की जरूरत नहीं पड़ेगी।

बीमा अकाउंट नंबर और एड्रेस जैसी जानकारी एक बार अपडेट करने पर सभी पॉलिसी में अपडेट हो जाएगी।

डिजिटल पॉलिसी होने से क्लेम दाखिल करना और ट्रैक करना बेहद आसान हो जाता है।

बीमा पॉलिसी के रिन्युअल के लिए आपको समय पर रिमाइंडर मिलेगा।

पॉलिसी खरीदने और ट्रांसफर करने की पूरी प्रक्रिया डिजिटल हो जाएगी, जिससे पेपरवर्क की झंझट खत्म होगी।

आवेदन प्रक्रिया- आप ऑफलाइन और ऑनलाइन दोनों तरह से आवेदन कर सकते हैं। ऑफलाइन आवेदन के लिए फॉर्म भरकर और केवाईसी डॉक्युमेंट्स के साथ बीमा रिपॉजिटरी या बीमा कंपनी में जमा करें। वहीं, ऑनलाइन आवेदन के लिए बीमा रिपॉजिटरी की वेबसाइट पर ई-केवाईसी के जरिए प्रक्रिया पूरी कर सकते हैं।

डॉक्युमेंट्स वेरिफिकेशन- आपके जमा किए गए दस्तावेजों की जांच की जाएगी। वेरिफिकेशन पूरा होने के बाद आपको लॉगिन आईडी और पासवर्ड मिलेगा। यह आपके पास SMS या Email के जरिए आएगा।

बाजार में मंदी के बावजूद रॉकेट बना टाटा का यह शेयर, लगातार खरीदने की लूट, महाकुंभ है असर!

नई दिल्ली (एजेंसी)। शेयर बाजार में मंदी के बावजूद टाटा समूह का एक शेयर रॉकेट बना हुआ है। हम बात कर रहे हैं बनारस होटल्स के शेयरों की। बनारस होटल्स के शेयर आज कारोबार के दौरान 10% तक चढ़ गए और 10789 रुपये के इंट्रा डे हाई पर पहुंच गए थे। जहां अधिकतर शेयरों में गिरावट देखी जा रही है, खासकर टाटा समूह के अधिकतर शेयर पस्त हैं, ऐसे में इस साल अब तक इसमें 30% तक की तेजी दर्ज की गई है। शेयरों में इस तेजी के पीछे एक बड़ी वजह है।

शेयरों में इस तेजी के पीछे दिसंबर तिमाही के मजबूत नतीजे और महाकुंभ मेला है। जी हां..मजबूत रैली को तीसरी तिमाही के मजबूत नतीजों और चल रहे कुंभ मेले के बीच बढ़ी मांग से बढ़ावा मिला है। जिससे मार्च तिमाही में रेवेन्यू में और वृद्धि होने की उम्मीद है। स्टॉक की स्मार्ट रैली ने इस साल सोने की कीमत में 11 फीसदी की बढ़ोतरी को भी पीछे छोड़ दिया है, जो परिसंपत्ति वर्गों में सबसे ज्यादा है। बता दें कि बनारस होटल्स लिमिटेड, 1971 में निगमित, लग्जरी और बजट होटल संचालित करता है। इसमें वाराणसी में ताज गंगा और नदेसर पैलेस, साथ ही गोंदिया, महाराष्ट्र में जिंजर होटल शामिल हैं। कंपनी 2011 में द इंडियन होटल्स कंपनी लिमिटेड की सहायक कंपनी बन गई, जिसमें IHCL की फर्म में 49.53 प्रतिशत हिस्सेदारी थी।

जमा बीमा की लिमिट बढ़ाने की तैयारी में सरकार, जानिए क्या होगा इससे फायदा

नई दिल्ली (एजेंसी)। सरकार जमा बीमा की सीमा बढ़ाने पर गंभीरता से विचार कर रही है। अभी यह लिमिट 5 लाख रुपये है। इसका मतलब है कि अगर अभी कोई बैंक डूबता है, तो उसमें पैसा जमा करने वाले ग्राहकों को 5 लाख रुपये तक मिल जाएंगे। हालांकि, मुद्रास्फीति और दूसरे फैक्टर को देखते हुए यह सीमा काफी कम मानी जा रही है। इसे लगातार बढ़ाने की मांग हो रही है।

इस पर वित्तीय सेवा विभाग के सचिव एम. नागराजू का कहना है कि सरकार जमा बीमा की सीमा को मौजूदा के पांच लाख रुपये से बढ़ाने पर सक्रियता से विचार कर रही है। न्यू इंडिया को-ऑपरेटिव बैंक का कथित घोटाला सामने आने के कुछ दिन बाद नागराजू ने कहा कि इस तरह के प्रस्ताव पर काम जारी है।

उन्होंने वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण की मौजूदगी में कहा, जैसे ही सरकार मंजूरी देगी, हम इसकी अधिसूचना जारी कर देंगे।% हालांकि, नागराजू ने न्यू इंडिया को-ऑपरेटिव बैंक के संकट पर कुछ भी टिप्पणी करने से इनकार कर दिया। उन्होंने कहा कि इस मामले को आरबीआई देख रहा है।

जमा बीमा दावा तब शुरू होता है जब कोई ऋणदाता डूब जाता है। पिछले कुछ वर्षों में निक्षेप बीमा व प्रत्यय गारंटी निगम (डीआईसीजीसी) ऐसे दावों का भुगतान करता रहा है। यह निकाय अपने द्वारा प्रदान किए जाने वाले कवर के लिए बैंकों से प्रीमियम एकत्र करता है और अधिकतर दावे सहकारी ऋणदाताओं के मामले में किए गए हैं। खबरों के अनुसार, न्यू इंडिया को-ऑपरेटिव बैंक के 1.3 लाख जमाकर्ताओं में से 90 प्रतिशत की पूरी रकम डीआईसीजीसी के अंतर्गत आएगी।

ऑफिस आओ, या दूसरी नौकरी तलाश लो, WFH जारी रखने की मांग पर भड़के जेपी मॉर्गन चेस के CEO

नई दिल्ली (एजेंसी)। अमेरिका के सबसे बड़े बैंक जेपी मॉर्गन चेस के सीईओ जेमी डिमन ने कर्मचारियों की हाइब्रिड वर्क सिस्टम की मांग को सख्ती से खारिज कर दिया। कर्मचारियों ने कंपनी से 5-डे रिटर्न-टु-ऑफिस पॉलिसी पर दोबारा विचार करने की गुजारिश की थी।

डाइमोन ने टाउन हॉल बैठक के दौरान कर्मचारियों की आंतरिक याचिका को सिरे से नकार दिया। समाचार एजेंसी रॉयटर्स के मुताबिक डिमन ने सख्त लहजे में कहा, इस पर समय बर्बाद मत करो। मुझे कोई परवाह नहीं कि इस याचिका पर कितने लोग साइन करते हैं। उन्होंने स्पष्ट कहा कि कर्मचारियों के पास दो विकल्प हैं। या वे ऑफिस आकर काम करें, या फिर दूसरी नौकरी तलाश लें।

क्या है पूरा मामला- 10 जनवरी को जेपी मॉर्गन चेस ने अपने 3.17 लाख कर्मचारियों को सूचित किया कि हाइब्रिड वर्क सिस्टम खत्म किया जा रहा है। फरवरी से सभी कर्मचारियों को पांच दिन ऑफिस आना होगा। इस फैसले के खिलाफ कई कर्मचारियों, खासकर बैक-ऑफिस स्टाफ ने आवाज उठाई। उन्होंने कहा कि यह बदलाव वर्क-लाइफ बैलेंस पर बुरा असर डालेगा। इससे केयरगिवर्स, वरिष्ठ कर्मचारी, महिलाएं और दिव्यांग लोग काफी ज्यादा प्रभावित होंगे।

बिना कुछ गिरवी रखे मिलेगा 20 लाख रुपये तक का लोन

नई दिल्ली (एजेंसी)। कई लोग अपना खुद का काम शुरू करना चाहते हैं, लेकिन उनके सामने पैसों की दिक्कत आती है। ऐसे लोगों के लिए प्रधानमंत्री मुद्रा लोन योजना काफी मददगार साबित हो सकती है। इसे छोटे कारोबारियों, दुकानदारों और नए उद्यमियों को आर्थिक मदद देने के लिए शुरू किया गया है। इसमें बिना किसी गारंटी के 20 लाख रुपये तक का लोन दिया जाता है। इसे आप 5 साल तक की अवधि में चुका सकते हैं।

कौन ले सकता है मुद्रा लोन- अगर आप अपना नया बिजनेस शुरू करना चाहते हैं या अपने मौजूदा कारोबार को बढ़ाना चाहते हैं, तो मुद्रा लोन योजना आपके लिए काफी शानदार हो सकती है। आपको लोन के लिए अप्लाई करने से पहले अपना Business Plan जरूर बना लेना चाहिए। इससे बैंक या वित्तीय संस्थान को लोन लेने की पात्रता जांचने में आसानी होती है।

मुद्रा लोन कितनी तरह का होता है- सरकार ने मुद्रा लोन की तीन कैटेगरी बना रखी है। इसमें जरूरत के हिसाब से कर्ज लेने के लिए अप्लाई किया जा सकता है।

शिशु लोन- लोन राशि अधिकतम 50,000

किनके लिए- यह उन लोगों के लिए है, जो छोटे स्तर पर बिजनेस शुरू करना चाहते हैं।

उदाहरण- बुटीक, किराना दुकान, सर्विस सेंटर, ऑनलाइन स्टार्टअप आदि।

किशोर लोन- लोन राशि- 50,000 से 5 लाख तक

किनके लिए- उन लोगों के लिए, जो पहले से बिजनेस चला रहे हैं और उसे बढ़ाने के लिए पूंजी की जरूरत है।

उदाहरण- मैन्युफैक्चरिंग यूनिट, सर्विस सेक्टर, ट्रेडिंग बिजनेस आदि।

तरुण और तरुण+ लोन

लोन राशि- 5 लाख से 20 लाख तक

किनके लिए- तरुण और तरुण+ लोन बड़े स्तर पर व्यापार विस्तार के लिए दिया जाता है। तरुण लोन में 5 से 10 लाख रुपये तक लोन मिलता है। इसे चुकाने वाले तरुण+ लोन के पात्र हो जाते हैं। इसमें 10 से 20 लाख रुपये तक का लोन मिलता है।

उदाहरण- मीडियम लेवल इंडस्ट्री, फ्रेंचाइज बिजनेस, होटल और रेस्टोरेंट सेक्टर आदि।

मुद्रा लोन की ब्याज दर- आपको किस ब्याज दर पर मुद्रा

नए कारोबार में एंट्री करेगी अनिल अंबानी की कंपनी, शेयर ने पकड़ी रफ्तार

नई दिल्ली (एजेंसी)। अनिल अंबानी की कंपनी- रिलायंस इन्फ्रास्ट्रक्चर अपने पोर्टफोलियो का विस्तार करने वाली है। इसके तहत कंपनी रिन्यूएबल एनर्जी इक्युपमेंट मैन्युफैक्चरिंग में कदम रखने जा रही है। इस खबर के बीच रिलायंस इन्फ्रास्ट्रक्चर के शेयर में तूफानी तेजी आ गई। बता दें कि मुकेश अंबानी की रिलायंस इंडस्ट्रीज और गौतम अडानी ग्रुप पहले ही रिन्यूएबल एनर्जी सेक्टर में एंट्री कर चुकी है।

न्यूज एजेंसी पीटीआई के सूत्रों ने बताया कि रिलायंस इन्फ्रास्ट्रक्चर ने पहले ही इवान साहा को रिन्यूएबल एनर्जी इक्युपमेंट मैन्युफैक्चरिंग सेग्मेंट का और मुश्ताक हुसैन को बैटरी मैन्युफैक्चरिंग का मुख्य कार्यपालक अधिकारी (सीईओ) नियुक्त कर दिया है। साहा के पास सोलर टेक्नोलॉजी और इक्युपमेंट डिजाइन में 30 से अधिक वर्षों का अनुभव है। उन्होंने विक्रम सोलर और रीन्यू पावर जैसे संगठनों को सेवा दी है। हुसैन की बात करें तो ऑटोमोटिव, रिन्यूएबल एनर्जी, कंज्यूमर इलेक्ट्रॉनिक्स और बिजली उपकरण क्षेत्रों में 25 वर्षों से अधिक की विशेषज्ञता रखते हैं।

दैनिक हिन्दकुश
hindkush.in
24x7 News portal
सर्वे भवन्तु सुखिनः
उजैन, इंदौर, भोपाल से प्रकाशित
jagrayam.com
online news magazine
ऑनलाईन संवाददाता/ब्यूरो प्रतिनिधि चाहिए
हिन्दकुश मीडिया
hindkushmedia@gmail.com
jagrayam@gmail.com

यूनियन कार्बाइड का जहरीला कचरा जलाने की शुरुआत- एमपी हाई कोर्ट ने दिया निर्देश

जबलपुर - मध्य प्रदेश हाई कोर्ट के मुख्य न्यायाधीश सुरेश कुमार कैत व न्यायमूर्ति विवेक जैन की युगलपीठ ने पीथमपुर में यूनियन कार्बाइड के कचरा विनिष्ठीकरण (कचरा जलाने) का ट्रायल रन शुरू करने का निर्देश दिया है।

कोर्ट ने कहा है कि 27 फरवरी को पहले चरण में 10 मीट्रिक टन कचरा जलाया जाए। इसके बाद इसी मात्रा के दो दौर यानी कुल तीन प्रारंभिक चरण पूर्ण किए जाएं।कोर्ट ने आगे कहा, इस प्रक्रिया में प्रदूषण नियंत्रण मंडल सहित अन्य की गाइडलाइन का पूर्ण पालन सुनिश्चित किया जाए। तीनों ट्रायल रन के आफ्टर इफेक्ट की रिपोर्ट 27 मार्च को कोर्ट में पेश की जाए। इसके आधार पर आगामी दिशा-निर्देश जारी किए जाएंगे।

कोर्ट में ऐसे चला बहस का दौर

मंगलवार को सुनवाई के दौरान सर्वप्रथम वरिष्ठ अधिवक्ता नमन नागरथ ने पक्ष रखा। उन्होंने दलील दी कि हाई कोर्ट पूर्व आदेशों में यूनियन कार्बाइड कचरा विनिष्ठीकरण को लेकर स्पष्ट दिशा-निर्देश जारी कर चुका है। इसके बावजूद राज्य शासन पालन कर रिपोर्ट प्रस्तुत करने की दिशा में अपेक्षाकृत गंभीर नजर नहीं आ रही है।

उक्त आरोप के जवाब में महाधिवक्ता प्रशांत सिंह ने राज्य की ओर से साफ किया कि हमने हाई कोर्ट के विगत निर्देश के पालन में जन जागृति प्रसारित करने काफी कार्य किया है। मसलन, पर्चे वितरित किए। नुक्कड़ नाटक किए। नगर निगम व जिला प्रशासन के स्तर पर चर्चा-परिचर्चा के माध्यम से वाद-विवाद-संवाद का वातावरण तैयार किया।

इस प्रक्रिया में यह स्पष्ट करने का पूर्ण प्रयास किया कि हाई कोर्ट के निर्देश पर यूनियन कार्बाइड का कचरा पीथमपुर तक परिवहन होकर पहुंच चुका है, जिसे वैज्ञानिक प्रविधि से जलाने से स्थानीय पर्यावरण आदि को कोई नुकसान नहीं होगा।सुप्रीम कोर्ट में मामला होने का तर्क भी रखा गया सुनवाई के दौरान यह मामला सुप्रीम कोर्ट पहुंचने का तर्क भी रखा गया। इस पर कोर्ट ने साफ कर दिया कि हम पूर्व निर्देश के पालन को लेकर सुनवाई कर रहे हैं। लिहाजा, राज्य शासन उसी पर फोकस करे। हमारा मकसद मामले को सुलझाना होना चाहिए न कि उलझाना।

भोपाल से प्रयागराज जाने वाली पवन एक्सप्रेस सहित आठ ट्रेनों का रूट डायवर्ट

भोपाल। महाकुंभ के दौरान परिचालनिक कारणों से रेलवे प्रशासन ने कई ट्रेनों के मार्ग परिवर्तन एवं री-शेड्युलिंग का निर्णय लिया है। यह परिवर्तन 18 फरवरी से 28 फरवरी तक लागू रहेगा। यात्रियों को सलाह दी जाती है कि यात्रा से पूर्व अपडेटेड ट्रेन शेड्यूल की जानकारी अवश्य प्राप्त करें।मार्ग और परिवर्तित ट्रेनें

पवन एक्सप्रेस (11061 - 11062) - लोकमान्य तिलक टर्मिनस-जयनगर (18 से 28 फरवरी) और जयनगर-लोकमान्य तिलक टर्मिनस (18 से 27 फरवरी) का मार्ग बदलकर मानिकपुर-प्रयागराज छिवकी-वाराणसी-जौनपुर-औरिहार किया गया है।

पुणे-दरभंगा एक्सप्रेस (11033 - 11034) - मार्ग परिवर्तित होकर यह ट्रेन प्रयागराज छिवकी-वाराणसी-जौनपुर-औरिहार से गुजरेगी।

कामायनी एक्सप्रेस (11071 - 11072) - यह ट्रेन अब बीना-झांसी-कानपुर-लखनऊ-जौनपुर-वाराणसी मार्ग से चलेगी।

तुलसी एक्सप्रेस (22129 - 22130) ङ्क झांसी-उरई-कानपुर-लखनऊ के रास्ते संचालित होगी।

यशवंतपुर-लखनऊ एक्सप्रेस (22683 - 22684) - अब यह ट्रेन ओहन-बांदा-भीमसेन-कानपुर सेंट्रल के मार्ग से संचालित होगी।

काशी एक्सप्रेस (15017 - 15018) - इटारसी-भोपाल-झांसी-कानपुर-लखनऊ-जंघई के रास्ते चलेगी।री-शेड्युलिंग एवं मार्ग परिवर्तित ट्रेन

दुरंतो एक्सप्रेस (12293) - लोकमान्य तिलक टर्मिनस से 21, 24 और 28 फरवरी को तीन घंटे की देरी से चलेगी।

बनारस से मुंबई जा रही कामायनी एक्सप्रेस में बम की सूचना, बीना स्टेशन पर यात्रियों को उतारा

आ रही थी ट्रेन

भोपाल। कामायनी एक्सप्रेस में बम होने की सूचना के बाद यात्रियों में हड़कंप मच गया। सूचना मिलने पर बीना रेलवे जंक्शन पर ट्रेन को रोका गया है। करीब डेढ़ घंटे से ट्रेन में सर्चिंग की जा रही है।

इस काम में आरपीएफ, जीआरपी सहित बीना पुलिस के कर्मचारी लगे हुए हैं। बम निरोधक दस्ता भोपाल को भी इसकी खबर दी गई है। मौके पर पहुंचकर जांच करेगा।पांच घंटे देरी से पहुंची ट्रेन

बीना रेलवे स्टेशन के प्लेटफार्म क्रमांक एक पर कामायनी एक्सप्रेस मंगलवार को 11.30 बजे पहुंची थी। यह अपने निर्धारित समय से पांच घंटे लेट थी। ट्रेन में बम होने की सूचना के पश्चात इसे रोका गया।

खबर मिलते ही रेलवे सुरक्षा बल (आरपीएफ) और राजकीय रेलवे पुलिस (जीआरपी) के जवान स्टेशन पर संयुक्त रूप से ट्रेन के डिब्बों की तलाशी शुरू की। इसके लिए यात्रियों को एक-एक कर उतारा गया।

सामान की जांच की गई। प्लेटफार्म पर भीड़ एकत्रित न हो इसके लिए यात्रियों को बाहर किया गया है। फिलहाल मौके पर बम निरोध दस्ता पहुंच गया है, जिसने जांच शुरू कर दी है।

कटनी की जगह झांसी रूट से गौरतलब है कि कुंभ शुरू होने के साथ ही कामायनी एक्सप्रेस का रूट परिवर्तित कर दिया था। कुंभ के पहले तक यह ट्रेन बीना-कटनी रेलवे जंक्शन से होकर जाती थी, लेकिन कुंभ के बाद से इसे झांसी होते हुए चलाया जा रहा था।

बनारस से आने वाली यह ट्रेन बीना सुबह 6 बजे पहुंचती थी, जो 5.30 मिनट लेट पहुंची। यहां बम की खबर के बाद इसे रोका गया। ट्रेन की सभी बोगियों को खाली कराया गया है।

यात्रियों से उनके सामान को डिब्बे में ही रखने को कहा गया है। हालांकि कुछ यात्री अपने साथ सामान लाए हैं। समाचार लिखे जाने तक स्टेशन पर गहमागहमी का माहौल था। यात्री ट्रेन से नीचे प्लेटफार्म के बाहर थे। वहीं पुलिस व जांच दस्ता सर्चिंग के काम में जुटा है।

जबलपुर- बम से उड़ाने की धमकी का मेल आया, स्कूल की छुट्टी, जांच शुरू

इस बीच, जबलपुर से खबर है कि यहां रांझी थाना क्षेत्र स्थित एक स्कूल को बम से उड़ाने की धमकी का मेल आने से मंगलवार को दहशत की स्थिति बन गई। तुरंत स्कूल की छुट्टी कर दी गई। बच्चों को घर भेज कर स्कूल परिसर खाली कर लिया गया। मौके पर पुलिस बल तैनात किया गया है। बम निरोधक दस्ता को बुलाया गया है। जांच की जा रही है।मंगलवार को स्कूल के पास एक ईमेल आया। मेल पर स्कूल को बम से उड़ाने की धमकी थी। स्कूल प्रबंधन ने तुरंत पुलिस को सूचना दी। एहतियातन बच्चों को घर वापस भेज दिया गया। किसी भी प्रकार की संदिग्ध और अनजान वस्तु को छूने से मना किया गया।इस दौरान पुलिस और बम निरोधक दस्ता स्कूल पहुंचा। पता लगाया जा रहा है कि मेल किसने भेजा है। आशंका है कि दहशत फैलाने के लिए ऐसा धमकी भरा मेल भेजने की शरारत की गई हो। पुलिस अभी मामले की जांच कर रही है।

एमपी हाई कोर्ट ने EWS को पांच वर्ष आयु सीमा छूट बरकार रखी, UPSC का विरोध किया दरकिनार

जबलपुर। हाई कोर्ट के मुख्य न्यायाधीश सुरेश कुमार कैत व न्यायमूर्ति विवेक जैन की युगलपीठ ने अपने पूर्व आदेश पर अडिग रहते हुए ईडब्ल्यूएस को पांच वर्ष की आयु सीमा छूट बरकरार रखी है। कोर्ट ने अंतिम चरण में अंतरिम राहत दिए जाने का यूपीएससी का विरोध फिलहाल दरकिनार कर दिया।

कोर्ट ने कहा किया कि अंतरिम आदेश में स्पष्ट व्यवस्था दी गई है कि ईडब्ल्यूएस को पांच वर्ष की आयु सीमा छूट विचाराधीन याचिका के अंतिम निर्णय के अधीन होगी, इसलिए यूपीएससी को अंतरिम आदेश का पालन करते हुए ईडब्ल्यूएस अभ्यर्थियों के फॉर्म पांच वर्ष की आयुसीमा छूट के साथ स्वीकार करने चाहिए। इस मामले की अंतिम सुनवाई 24 फरवरी को निर्धारित की जाती है।अंतिम समय में निर्देश से परीक्षा संचालन में होगी परेशानी

मंगलवार को सुनवाई के प्रारंभ होते ही सर्वप्रथम संघ लोक सेवा आयोग की ओर से बहस को गति दी गई। वकील ने दलील दी कि इस तरह अंतिम समय में हाई कोर्ट का पांच वर्ष की आयुसीमा छूट संबंधी अंतरिम आदेश सामने आने से यूपीएससी को सिविल सेवा परीक्षा-2025 के संचालन में परेशानी होगी।ऐसा इसलिए भी क्योंकि राज्य व केंद्र के स्तर पर ईडब्ल्यूएस का स्टेटस अलग-अलग होता है। केंद्र शासन की ओर से डिप्टी सालिसिटर जनरल पुष्पेंद्र यादव ने भी कहा कि इस तरह अंतिम चरण में अंतरिम राहत का पालन करने से नवीन नोटिफिकेशन सहित अन्य स्तरों पर परेशानी होगी।कपिल सिब्बल ने कहा- पहले भी दी जा चुकी है आयुसीमा में छूटवीडियो कांफ्रेंसिंग के जरिए सुनवाई से जुड़े याचिकाकर्ता सतना निवासी आदित्य नारायण पांडेय की ओर से वरिष्ठ अधिवक्ता कपिल सिब्बल व मनीष सिंह ने दलील दी कि यूपीएससी द्वारा पूर्व में भी समय-समय पर कई परीक्षाओं के अभ्यर्थियों को आयुसीमा में छूट की राहत दी जा चुकी है।

लिहाजा, इस बार हाई कोर्ट के अंतरिम आदेश का पालन सुनिश्चित करने में कोई परेशानी नहीं होनी चाहिए। ऐसा इसलिए भी क्योंकि यह अंतरिम राहत याचिका के अंतिम निर्णय के साथ बाध्यकारी होगी। हाई कोर्ट ने इस तर्क से सहमत होकर साफ कर दिया कि पूर्व अंतरिम आदेश में कोई परिवर्तन नहीं किया जाएगा।

लिहाजा, यूपीएससी अभ्यर्थियों को पांच वर्ष की आयुसीमा छूट देकर परीक्षा में सम्मलित होने दे। फॉर्म भरने की अंतिम तिथि मंगलवार 18 फरवरी होने के कारण समय खराब न किया जाए। यूपीएससी इतना जोर दे रहा है, तो हाई कोर्ट इस मामले की अंतिम सुनवाई 24 फरवरी को निर्धारित करता है।हाई कोर्ट ने अपने पूर्व अंतरिम आदेश में यूपीएससी को निर्देश दिए थे कि याचिकाकर्ता व अन्य समान प्रकृति के अभ्यर्थियों के आवेदन स्वीकार करें। कोर्ट ने यह शर्त भी लगा दी थी कि बिना अनुमति पांच वर्ष की आयुसीमा का लाभ पाने वाले इन अभ्यर्थियों के रिजल्ट घोषित न किए जाएं।याचिकाकर्ता सतना निवासी आदित्य नारायण पांडेय की ओर से वरिष्ठ अधिवक्ता कपिल सिब्बल व मनीष सिंह ने वीसी के जरिए पक्ष रखा था। उन्होंने दलील दी थी कि अन्य सभी आरक्षित वर्ग एससी, एसटी व ओबीसी को आयुसीमा में छूट दी जाती है।ईडब्ल्यूएस भी आरक्षित श्रेणी है, इसलिए उन्हें भी लाभ दिया जाना चाहिए। ऐसा इसलिए भी क्योंकि कुछ दिन पूर्व माध्यमिक व प्राथमिक शिक्षक चयन परीक्षा-2024 में ईडब्ल्यूएस अभ्यर्थियों को आयुसीमा में पांच वर्ष की छूट का लाभ देने के निर्देश दिए थे।

खनिज अधिकारी गुणवत्ता के साथ कार्य करें और समय सीमा में राजस्व प्राप्ति में लक्ष्यों को पूरा करें

संभागायुक्त श्री दीपक सिंह ने खनिज अधिकारियों की संभागीय समीक्षा बैठक ली

इंदौर। संभागायुक्त श्री दीपक सिंह ने आज संभागायुक्त कार्यालय में इंदौर संभाग के खनिज अधिकारियों की समीक्षा बैठक ली। बैठक में संयुक्त आयुक्त राजस्व श्रीमती सपना लोवंशी, खनिज विभाग के रीजनल हैड श्री एन.एच. वाघमारे, डिप्टी डायरेक्टर श्री मनु डावर सहित धार, झाबुआ, आलीराजपुर, बडवानी, खंडवा, खरगोन, बुरहानपुर के विभागीय अधिकारी उपस्थित थे। बैठक में संभागायुक्त श्री सिंह ने सभी अधिकारियों से संभाग के सभी जिलों में चल रही खदानों से प्राप्त राजस्व, अवैध उत्खनन, अवैध परिवहन, कर निर्धारण आदि विषयों के बारे में चर्चा कर समीक्षा की।

संभागायुक्त श्री सिंह ने अधिकारियों को निर्देश देते हुए कहा कि वे राजस्व वसूली में गति लाये और निर्धारित समय सीमा में राजस्व लक्ष्य को प्राप्त करें। साथ ही अवैध उत्खनन के प्रकरणों का निपटान भी समय सीमा में कराये। अवैध परिवहन के प्रकरणों में कमी लाये। खनिज एवं अन्य विभागों का संयुक्त दल गठित करें और समयावधि में उसका निराकरण कराये।

बैठक में संभागायुक्त श्री दीपक सिंह ने बताया कि इस बार राजस्व प्राप्ति में इंदौर संभाग का प्रदर्शन अच्छा रहा। माह जनवरी में इंदौर संभाग ने कुल 147.675 करोड़ का राजस्व प्राप्त किया। जिसमें धार, झाबुआ और आलीराजपुर क्रमशः प्रथम, द्वितीय तथा तृतीय स्थान पर रहे। माह जनवरी में धार जिले ने 83.84 करोड़ रुपये, झाबुआ - 8.33 करोड़ रुपये और आलीराजपुर ने 4.575 करोड़ रुपये का राजस्व प्राप्त किया। संभाग में अवैध उत्खनन के 127 प्रकरण दर्ज किये गए। जिसमें से 92 प्रकरण निराकृत किये जाकर 87.823 लाख रुपये की राशि वसूल की गई। संभाग में अवैध परिवहन में भण्डारण के कुल 987 प्रकरण दर्ज किये जिसमें से 867 प्रकरण निराकृत किये जाकर 921.11 लाख रुपये वसूल किये गए।

प्रकरण निराकरण एवं जुर्माने की राशि जमा करने के मामले धार जिला प्रथम स्थान पर रहा। बैठक में संभागायुक्त श्री सिंह ने बताया कि उत्खनन के 1042 आवेदन प्राप्त हुए, जिसमें से 50 प्रतिशत आवेदनों का निराकरण किया गया। कर निर्धारण के मामले में संभाग में कुल 826 कर निर्धारणों में 62.35 प्रतिशत कर निर्धारण किये गए।

50 हजार बजरंग दल कार्यकर्ताओं का महासंगम, त्रिशूल दीक्षा और हिंदू जागरण का महाअभियान

इंदौर। 29 मार्च को इंदौर में बजरंग दल के मालवा प्रांत के 50 हजार कार्यकर्ताओं का विराट एकत्रीकरण आयोजित किया जाएगा। इस महाआयोजन से पूर्व, प्रदेशभर के सभी जिलों में बड़े स्तर पर प्रखंड त्रिशूल दीक्षा कार्यक्रम संपन्न किए जाएंगे। बजरंग दल के प्रांत संयोजक नितिन पाटीदार ने बताया कि इस आयोजन के तहत गांव-गांव संयोजक बनाओ अभियान भी चलाया जाएगा, जिसके माध्यम से संगठन का विस्तार और मजबूती सुनिश्चित की जाएगी। चिमनबाग मैदान पर होगा आयोजन

प्रांत के सभी जिलों से आने वाले कार्यकर्ताओं को इंदौर के चारों दिशाओं में चयनित स्थानों पर एकत्रित किया जाएगा। प्रत्येक स्थान पर दो-दो विभागों के कार्यकर्ता संगठित होंगे और वे एक नियत मार्ग से पंक्तिबद्ध होकर चिमनबाग मैदान स्थित सभास्थल तक पहुंचेंगे। इस दौरान कार्यकर्ताओं का अनुशासन और एकजुटता का प्रदर्शन किया जाएगा। देशभर के संत भी पहुंचेंगे

इंदौर में होने वाले इस ऐतिहासिक कार्यक्रम में ग्राम संयोजक से लेकर राष्ट्रीय संयोजक तक सभी पदाधिकारी उपस्थित रहेंगे। इस अवसर पर संतों की गरिमामयी उपस्थिति में कार्यक्रम के मुख्य वक्ता विश्व हिंदू परिषद के केंद्रीय संगठन महामंत्री मिलिंद परांडे और बजरंग दल के राष्ट्रीय संयोजक नीरज दोनेरिया रहेंगे। इन प्रमुख वक्ताओं के माध्यम से कार्यकर्ताओं को राष्ट्रभक्ति, नागरिक कर्तव्यों और धर्म के प्रति समर्पण की प्रेरणा दी जाएगी।

इस कार्यक्रम का उद्देश्य युवाओं को नागरिक कर्तव्यों के प्रति जागरूक करना, राष्ट्रभक्ति एवं धर्मभक्ति को बढ़ावा देना, तथा बजरंग दल के ध्येय वाक्य ङ्क सेवा, सुरक्षा और संस्कार - के प्रति जनचेतना लाना है।

मछुआरों के पंजीयन के लिए विशेष शिविर 20 फरवरी को

इंदौर। मत्स्य पालन से जुड़े मत्स्य कृषकों के लिये मत्स्य विभाग इंदौर के मार्गदर्शन में कॉमन सर्विस सेन्टर के माध्यम से जिले के ग्राम बनेडिया व भोई मोहल्ला इन्दौर में 20 फरवरी,25 को प्रातः 10 बजे से शाम 5 बजे तक भारत शासन के निर्देशानुसार राष्ट्रीय मात्सिकी विकास बोर्ड पोर्टल पर पंजीयन हेतु विशाल केम्प (शिविर) लगाया जा रहा है। इस एन.एफ.डी.पी. पोर्टल के माध्यम से मत्स्य कृषक मत्स्य पालन कार्य करने हेतु प्रधानमंत्री मत्स्य किसान सह योजना अंतर्गत विभिन्न गतिविधियों में एकमुश्त प्रोत्साहन एवं लाभ हेतु अपना पंजीयन अनिवार्य रूप से करा सकते हैं। जिले के समस्त मछुआरों से अपील की गयी है कि आधार कार्ड एवं बैंक पासबुक की छायाप्रति साथ में लाकर कैम्प में योजनाओं का लाभ प्राप्त करने हेतु पंजीयन करायें। उक्त कार्यक्रम मे केंद्रीय मत्स्य पालन राज्य मंत्री श्री जार्ज कुरियन, प्रदेश के मत्स्य पालन मंत्री श्री नारायण सिंह पंवार विशेष अतिथि के रूप मे सम्मिलित होगे।

कलेक्टर एवं जिला दण्डाधिकारी श्री आशीष सिंह ने चार आरोपियों को किया जिलाबदर

इंदौर। कलेक्टर एवं जिला दण्डाधिकारी श्री आशीष सिंह द्वारा इंदौर जिले में शांति एवं कानून व्यवस्था बनाये रखने के लिए अपराधिक प्रवृत्ति के व्यक्तियों के विरूद्ध प्रतिबंधात्मक कार्यवाही की जा रही है। इसी क्रम में कलेक्टर एवं जिला दण्डाधिकारी श्री सिंह ने चार आरोपियों को जिलाबदर करने के आदेश जारी किये है। जारी आदेशानुसार थाना क्षेत्र बेटमा में रहने वाले जितेन्द्र पिता अंतरसिंह राजपूत, उम्र 45 निवासी-ग्राम मेठवाड़ा, थाना क्षेत्र महू के रितेश पिता महेंद्र वर्मा उम्र 31 साल निवासी राज मोहल्ला महू, थाना क्षेत्र सांवेर के सुरेश पिता हरि सिंह रघुवंशी उम्र 48 साल निवासी छोटे हनुमान मंदिर के पास कायस्थ खेड़ी रोड सांवेर, थाना क्षेत्र बेटमा के जितेंद्र पिता अंतर सिंह राजपूत उम्र-45 ग्राम मेवड़ा मितवाड़ा को जिलाबदर किया गया है। कलेक्टर एवं जिला दण्डाधिकारी श्री आशीष सिंह के उक्त आदेश उक्त चारों आरोपियों को आगामी 06 माह की कालावधि के लिए इन्दौर जिला एवं उससे लगे हुए अन्य सीमावर्ती जिले उज्जैन, देवास, धार, खरगोन एवं खण्डवा जिले की राजस्व सीमा से बाहर जाने के आदेश जारी किये गए है। जारी आदेशानुसार चारों आरोपियों को निर्देशित किया जाता है कि न्यायालय की पूर्व लिखित अनुमति के बिना उक्त प्रतिबंधित क्षेत्र में प्रवेश नहीं करेगें।

राजस्व प्रकरणों के निराकरण के संबंध में कलेक्टर श्री आशीष सिंह की अभिनव पहल

कलेक्टर कार्यालय में सुशासन संवाद कक्ष की स्थापना

इंदौर। इंदौर जिले में कलेक्टर श्री आशीष सिंह द्वारा राजस्व प्रकरणों के निराकरण के संबंध में आवेदकों से सीधे संपर्क के लिए अभिनव पहल करते हुए सुशासन संवाद कक्ष की स्थापना कलेक्टर कार्यालय में की गई है। इस कक्ष के माध्यम से नामांतरण, बंटवारा और सीमांकन संबंधी प्रकरणों के निराकरण के लिए आवेदन करने वाले आवेदकों से सीधा संवाद कर उनसे कठिनाइयों और निराकरण के संबंध में जानकारी फोन कर प्राप्त की जाएगी तथा समयसीमा में आवेदन पत्रों का निराकरण सुनिश्चित किया जायेगा।

कलेक्टर श्री आशीष सिंह ने आगे बताया है कि विभिन्न राजस्व प्रकरणों के निराकरण के दौरान आवेदकों के फ़ोन नंबर उपलब्ध रहते हैं। इन नंबरों पर प्रशासन द्वारा आवश्यक सूचना भी संप्रेषित की जाती है। अब इनका और बेहतर उपयोग करते हुए इनसे राजस्व प्रकरणों के निराकरण के उपरांत फीडबैक भी लिया जाएगा।

सुशासन संवाद कक्ष के प्रभारी अधिकारी जिला प्रबंधक लोक सेवा श्री अमोघ श्रीवास्तव रहेंगे। उनकी सहायता के लिये उनके अधिनस्थ अमले को नियुक्त किया गया है। संबंधित अधिकारी-कर्मचारी कार्यालयीन समय में भूमि स्वामी/कृषकों से दूरभाष के माध्यम से संपर्क कर वस्तुस्थिति की जानकारी लेंगें। जिसे संकलित करने के लिये पंजी का संधारण करेंगे। अद्यतन जानकारी से प्रतिदिन प्रभारी अधिकारी भू-अभिलेख के साथ ही कलेक्टर को भी अवगत कराएंगें।

चलती एम्बुलेंस में हुई महिला की डिलीवरी, बेटे को दिया जन्म

इंदौर। इंदौर के सिमरोल क्षेत्र के पास रविवार देर रात एक गर्भवती महिला को अचानक प्रसव पीड़ा शुरू हो गई। परिजन तुरंत हरकत में आए और 108 एम्बुलेंस को बुलाकर महिला को अस्पताल ले जाने का फैसला किया। एम्बुलेंस में सवार होते ही महिला की तकलीफ बढ़ने लगी, जिससे डॉक्टरों तक पहुंचने से पहले ही डिलीवरी की जरूरत आन पड़ी। एम्बुलेंस स्टाफ ने तुरंत 108 कॉल सेंटर पर स्थिति की सूचना दी और परिजन की सहमति लेने के बाद एम्बुलेंस में ही सुरक्षित डिलीवरी करवाई। महिला ने एक स्वस्थ बेटे को जन्म दिया और तुरंत बाद मां और बच्चे दोनों को सिमरोल प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र पहुंचाया गया, जहां उनकी स्थिति स्थिर पाई गई। 19 वर्ष की संतोषी को मिली खुशियां

घटना रविवार-सोमवार की दरमियानी रात लगभग 3 बजे की है, जब ग्राम मेंडल में रहने वाली 19 वर्षीय संतोषी पति सिरन को तेज प्रसव पीड़ा हुई। परिवार ने तुरंत 108 एम्बुलेंस को बुलाया, जो मौके पर पहुंचकर गर्भवती महिला को अस्पताल ले जाने लगी। लेकिन आधे रास्ते में उसकी पीड़ा असहनीय हो गई, जिससे तत्काल डिलीवरी करानी पड़ी। कॉल सेंटर से दिए गए निर्देश - एम्बुलेंस में मौजूद मेडिकल टेक्नीशियन सूरजमल दांगी और पायलेट सुनील पटेल ने स्थिति को समझते हुए तुरंत कॉल सेंटर से संपर्क किया और परिजन की अनुमति के बाद एम्बुलेंस को अस्थायी डिलीवरी रूम बना दिया। पेशेवर सूझ-बूझ के साथ महिला का सफल प्रसव कराया गया।

शराब दुकानों से 1500 करोड़ रुपए कमाएगी सरकार, नए साल की नई उम्मीदें

इंदौर। प्रदेश सरकार द्वारा हाल ही में मंजूर की गई नई आबकारी नीति के तहत आगामी वित्त वर्ष के लिए देसी और विदेशी शराब दुकानों की नीलामी की प्रक्रिया आज से शुरू हो गई है। वर्तमान ठेकेदारों को 20 प्रतिशत अधिक राजस्व देने पर नवीनीकरण का लाभ मिलेगा, जिससे वे आगामी वर्ष के लिए भी अपनी दुकानों का संचालन कर सकेंगे। यदि नवीनीकरण की प्रक्रिया के बावजूद सभी दुकानों की नीलामी नहीं होती या निर्धारित 80 प्रतिशत राजस्व वृद्धि नहीं मिलती, तो इन दुकानों को ई-टेंडर के माध्यम से बेचा जाएगा। सहायक आबकारी आयुक्त मनीष खरे के अनुसार, नई नीति के तहत नवीनीकरण के आवेदन आज से स्वीकार किए जाएंगे और इन्हें जमा करने की अंतिम तिथि 21 फरवरी को शाम 6 बजे तक निर्धारित की गई है। प्राप्त आवेदनों पर 27 फरवरी तक कार्रवाई पूरी की जाएगी। नवीनीकरण के बाद जो दुकानें बचेंगी, उन्हें ई-टेंडर के माध्यम से 4 मार्च से नीलामी प्रक्रिया में शामिल किया जाएगा।

इंदौर में 173 देसी विदेशी शराब दुकानें- इंदौर जिले में कुल 173 देसी और विदेशी शराब की दुकानें हैं, जिनका इस बार आरक्षित मूल्य लगभग 1800 करोड़ रुपए तक पहुंच जाएगा, क्योंकि पिछले वर्ष सरकार को 1509 करोड़ रुपए का राजस्व प्राप्त हुआ था। नई आबकारी नीति के अंतर्गत बियर, वाइन और रेडी-टू-ड्रिंक के लिए विशेष कैफे खोलने की अनुमति दी जाएगी। प्रदेश के 17 पवित्र शहरों सहित 19 स्थानों पर आगामी वित्त वर्ष से शराब पर प्रतिबंध लगाया गया है, जिससे सरकार को 400 करोड़ रुपए से अधिक का नुकसान होगा, जिसकी भरपाई इंदौर जैसे बड़े जिलों से की जाएगी। इस प्रतिबंध के कारण कुल 47 शराब की दुकानें बंद हो रही हैं।

470 बियर बार को लाइसेंस- वर्तमान में प्रदेश में 470 बियर बारों को लाइसेंस प्राप्त हैं, लेकिन नई नीति के तहत खुलने वाले कैफे की संख्या बढ़ेगी। इन कैफे में 10 प्रतिशत से अधिक वी/वी अल्कोहल नहीं होगा और इनमें हार्ड लीकर जैसे व्हिस्की आदि परोसने और रखने की अनुमति नहीं होगी। ये लो-एल्कोहॉलिक बेवरेज बार के रूप में संचालित किए जाएंगे। इससे पहले जब प्रदेश में शराब दुकानों के साथ अहाते खोले गए थे, तो कई बियर बार बंद कर दिए गए थे।

जहां केवल बियर और लो-एल्कोहॉलिक बेवरेज की बिक्री की अनुमति थी।

3600 दुकानों की नीलामी शुरू- प्रदेश सरकार को पंजीयन विभाग के बाद सबसे अधिक राजस्व आबकारी विभाग से प्राप्त होता है। इस वर्ष सरकार को 15,000 करोड़ रुपए से अधिक के राजस्व की उम्मीद है। इसी के तहत आज से प्रदेशभर के 3600 शराब दुकानों की नीलामी प्रक्रिया शुरू कर दी गई है, जिसमें इंदौर सहित अन्य प्रमुख शहर शामिल हैं।

मृत्युंजय महाकाल त्राहिमाम शरणागतः ,
जन्म मृत्यु जरा व्याधि पीड़ितो कर्म बंधनाह
भूतभावन बाबा श्री महाकालेश्वर प्रभु सभी को आरोग्यता प्रदान करें।

सिंहस्थ 2028 के अंतर्गत 35 करोड़ से अधिक रूपए की लागत से धन्वंतरी महाविद्यालय परिसर में छात्रावास और ऑडिटोरियम का निर्माण किया जाएगा

विद्यार्थियों के अलावा सिंहस्थ में ड्युटीरत शासकीय कर्मचारीयों को ठहराने की सुविधा मिल सकेगी

उज्जैन । कलेक्टर श्री नीरज कुमार सिंह ने मंगलवार को अंकपात मार्ग स्थित शासकीय धन्वंतरी आयुर्वेद चिकित्सा महाविद्यालय का निरिक्षण किया। उल्लेखनीय है कि महाविद्यालय परिसर में लगभग 27 करोड़ रूपए की लागत से नवीन गर्ल्स और बॉयस होस्टल तथा 8.39 करोड़ रूपए की लागत से नवीन ऑडीटोरियम का निर्माण आगामी सिंहस्थ-2028 महापर्व के अंतर्गत किया जाएगा। इनके निर्माण से महाविद्यालयीन उपयोग के साथ-साथ आगामी सिंहस्थ महापर्व में ड्युटीरत शासकीय कर्मचारीयों को ठहराने की भी सुविधा मिल सकेगी। जानकारी दी गई कि उक्त निर्माण कार्यो की प्रशासकीय स्वीकृति प्राप्त हो चुकी है। बालक और बालिका छात्रावास भवन का

निर्माण जी+3 मंजिल किया जाएगा तथा दोनो की क्षमता 250+250 सीटर होगी। इसके अलावा ओडिटोरियम का निर्माण 1220 स्के. मीटर में किया जाएगा तथा इसकी क्षमता 500 सीटर होगी।

टेंडर प्रकिया के पूर्ण होने के बाद निर्माण कार्य प्रारंभ होगा। परिसर में स्थित पुरानी बिल्डिंग को डिस्मेंटल कर नवीन भवनों का निर्माण किया जाएगा।

कलेक्टर श्री सिंह के द्वारा महाविद्यालय परिसर में औषधी विद्यावन, स्मार्ट क्लासेस, सैन्ट्रल लाईब्रेरी का अवलोकन किया गया। इस दौरान सीईओ जिला पंचायत श्रीमती जयति सिंह, महाविद्यालय के प्रभारी प्राचार्य डॉ ओ.पी व्यास, डॉ अजय कीर्ती जैन,डॉ योगेश वाणे, डॉ शिरोमणि मिश्रा, डॉ रामतीर्थ शर्मा मौजूद थे।

स्वयं को आध्यात्मिकता से जोड़कर जीवन को सरल बनाए-सतगुरु माता सुदीक्षा महाराज

उज्जैन। संत निरंकारी मिशन के तत्वावधान में गुजरात संग राजस्थान का संयुक्त राज्य स्तरीय निरंकारी संत समागम उदयपुर में परम श्रद्धेय सतगुरु माता सुदीक्षा जी महाराज एवं सत्कार योग्य निरंकारी राजपिता रमित जी की पावन छत्रछाया में सम्मपन्न हुआ, जिसमें गुजरात और राजस्थान सहित मध्यप्रदेश के भी हजारों भक्तों ने आध्यात्मिकता, प्रेम और विश्वबंधुत्व का संदेश प्राप्त किया।

मीडिया सहायक विनोद गज्जर ने बताया कि सतगुरु माता सुदीक्षा जी महाराज ने अपने प्रेरणादायक प्रवचनों में श्रद्धालुओं को आत्मबोध का मार्ग अपनाने की सीख दी। सतगुरू माता जी ने कहा कि जब जीवन में अहंकार और भेदभाव मिट जाते हैं और परमात्मा की रोशनी से अंतर्मन प्रकाशित हो जाता है, तब जीवन सहज और सरल हो जाता है। क्षमा, प्रेम और सेवा की भावना को अपनाकर ही हम सच्चे आनंद को प्राप्त कर सकते हैं।

राजपिता रमित जी ने अपने विचार रखते हुए सतगुरु के संदेश को जन-जन तक पहुंचाने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि सतगुरु प्रेम और समर्पण का पाठ पढ़ाते हैं, और जब हम ईर्ष्या व द्वेष की दीवारों को गिराकर प्रेमभाव अपनाते हैं, तभी सच्ची आध्यात्मिकता को अनुभव कर सकते हैं। समागम में भजन और कविताओं की मधुर प्रस्तुतियों ने भक्तों को आध्यात्मिक रसधारा में सराबोर कर दिया। इस आयोजन की सफलता के लिए लंगर, चिकित्सा सुविधा, पार्किंग एवं अन्य व्यवस्थाओं को सुचारू रूप से संचालित किया गया, जिसमें स्थानीय प्रशासन का भी पूरा सहयोग रहा। उज्जैन के मुखी श्री त्रिलोक बेलानी जी ने बताया कि इस दिव्य आयोजन से पूर्व तीन दिवसीय निरंकारी यूथ सिम्पोजियम का भी आयोजन किया गया, जिसमें युवाओं को आध्यात्मिकता और सकारात्मक ऊर्जा से जुड़ने की प्रेरणा दी गई।

राष्ट्रीय हिन्दू शक्ति संगठन के तत्वावधान में श्रीमद्भागवत कथा

उज्जैन। राष्ट्रीय हिन्दू शक्ति संगठन के तत्वावधान में शिवधाम कालोनी में खाटूश्याम मंदिर के पास कथा व्यास मानस गुरू के सानिध्य में प्रतिदिन 1 बजे से 4 बजे तक मक्सी रोड़ पंवासा पर श्रीमद्भागवत का भव्य आयोजन किया जा रहा है।

23 फरवरी को समापन होगा। प्रदेश अध्यक्ष शिवनारायण तंवर, श्रीमती ज्योति तंवर, उपाध्यक्ष सतीश विश्वकर्मा, जिलाध्यक्ष सौरभसिंह आंजना द्वारा आरती की गई। भजन गायिका दिव्या गुरू के भजनों पर महिलाओं द्वारा नृत्य प्रस्तुति दी गई।

शिक्षा केवल सरकार का विषय नहीं समाज का भी सरोकार है-डॉ अतुल कोठारी

उज्जैन। शिक्षा केवल सरकार का विषय नहीं समाज का भी सरोकार है। प्राचीन काल से भारत में धर्म और आध्यात्म के साथ शिक्षा का समन्वय रहा है। इसी समन्वय से श्रेष्ठ और चरित्रवान नागरिकों का निर्माण हुआ करता था।

हमारे गुरुकुलों और मठों में व्यक्ति और समाज निर्माण की शिक्षा दी जाती थी। कुंभ के अवसर पर ऋषि मुनि ङ्कसाधु संत धर्म,अध्यात्म,समाज, शिक्षा और राष्ट्र पर चिंतन करते थे।इसी संकल्पना को पुनर्स्थापित करने के लिए न्यास ने प्रयागराज महाकुंभ में ज्ञान महाकुंभ का आयोजन किया। ज्ञान महाकुंभ में शिक्षा और ज्ञान पर राष्ट्रव्यापी चिंतन हुआ है। इसके सकारात्मक परिणाम आगामी समय में देश को देखने को मिलेंगे।यह उद्गार शिक्षा संस्कृति उत्थान न्यास के राष्ट्रीय सचिव डॉ अतुल कोठारी ने न्यास के कार्यकर्ताओं को संबोधित करते हुए व्यक्त किये। उन्होंने कहा कि न्यास के कार्यकर्ताओं को पहले स्वयं अनुशासित होकर समाज उत्थान का कार्य करना चाहिए। कार्यकर्ता पहले स्वयं से आरंभ करें। बैठक में डायरी लेकर आया करें। यह जानकारी देते हुए न्यास के क्षेत्रीय प्रचार प्रसार प्रमुख डॉ जफर महमूद ने बताया कि न्यास के कार्यकर्ताओं की बैठक शासकीय शिक्षा महाविद्यालय में आयोजित की गई। बैठक में न्यास के प्रांतीय अध्यक्ष डॉ राकेश डांढ, विक्रम विश्वविद्यालय के कुलगुरु डॉ अर्पण भारद्वाज, शिक्षा महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ राजीव पंड्या, डॉ आर एम शुक्ला,डॉ प्रेमलता चुटेल, डॉ गीता नायक, डॉ प्रशांत पुराणिक,डॉ एसके मिश्रा, डॉ डी डी बेदिया, डॉ शैखर मैदमवार, डॉ राजेन्द्र प्रसाद गुप्त, डॉ जीवनसिंह सोलंकी, डॉ अजय शर्मा,डॉ पंकजा सोनवलकर, डॉ कीर्ति डिडडी, डॉ अक्षय आचार्य, डॉ प्रेरणा मनाना डॉ सुनीता श्रीवास्तव , डॉ निश्छल यादव ,अविनाश राठौर आदि।

निगम कर्मचारियों की अधिकांश मांगों पर बनी सहमति

आयुक्त ने चर्चा के लिये बुलाया, 12 दिन से चल रहा आंदोलन स्थगित

उज्जैन। नगर निगम कर्मचारियों ने विभिन्न मांगों को लेकर 12 दिन से धरना, प्रदर्शन एवं वाहन रैली निकाली गई। सोमवार को नगर निगम आयुक्त ने कर्मचारियों की मांगों के निराकरण के लिये कर्मचारी संघ के पदाधिकारियों को चर्चा के लिये बुलाया गया। बैठक में अधिकांश मांगों पर विस्तार से चर्चा हुई और पदोन्नति, समयमान-वेतनमान आदेश तथा इसका एरियर, सेवानिवृत्त कर्मचारियों को 1000 मेडिकल अलाउंस वृद्धि करने सहित कई मांगों पर सहमति बनी। मंगलवार को कर्मचारी संघ के पदाधिकारियों ने गेट मीटिंग बुलाकर सभी कर्मचारियों को मांगों पर बनी सहमति का वाचन कर सुनाया गया।

भारतीय मजदूर संघ से संबद्ध सफाई कामगार संघ, स्वायत्तशासी कर्मचारी संघ एवं सेवानिवृत्त कर्मचारी संघ के बेनरतले विगत 12 दिनों से निगम गेट पर धरना प्रदर्शन चल रहा था। निगम अधिकारियों ने संज्ञान लिया और कर्मचारी संघ के पदाधिकारियों को चर्चा के लिये बुलाया गया। चर्चा के दौरान पदोन्नति की कार्यवाही 30 दिवस में किये जाने, समयमान के आदेश 25 दिवस में पूर्ण करने तथा समयमान वेतनमान की एरियर राशि का भी शीघ्र निराकरण किये जाने, सेवानिवृत्त कर्मचारियों को मेडीकल भत्ते में 1000 की वृद्धि का प्रस्ताव एम.आई.सी. को भेजा गया, पूर्व ठहराव अनुसार कर्मचारियों को भूखंड देने की स्वीकृति दी गई, नगर निगम परिसर में वाहन पार्किंग बनाये जाने, जूना सोमवारिया क्षेत्र में सामुदायिक भवन बनाये जाने सहित कई मांगों पर सहमति बनी।

मंगलवार को सेवानिवृत्त कर्मचारी संघ अध्यक्ष डॉ. पवन व्यास, स्वायत्तशासी कर्मचारी संघ अध्यक्ष रमेशचंद्र रघुवंशी, सफाई कामगार संघ अध्यक्ष चंदगीराम पहलवान, पी.एल. टटवाल, नितिन मुसले, संदीप कलोसिया आदि ने सभी कर्मचारियों को संबोधित किया और ऐसे ही एकजुट रहने के लिये धन्यवाद प्रेषित किया और कर्मचारियों की मांगें मंजूर करने पर निगम अधिकारियों का भी आभार व्यक्त किया।

इस अवसर पर अजयप्रकाश मेहता, अल्काब भाई, मनसुख मेहरवाल, गय्यूर भाई, अब्दुल हमीद दरोगा, दीपचंद दावरे, शैलेष नागर, धीरज कलोसिया, राजू यादव, जयनारायण आर्य, रवि बड़गोती, सुनील भैरवे सहित बड़ी संख्या में कर्मचारी उपस्थित थे।

पद्मश्री डॉ. एच.आर. नागेन्द पहुँचे सेवाधाम आश्रम

उज्जैन। अंकित ग्राम', सेवाधाम आश्रम में प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के योग शिक्षक पद्मश्री डॉ. एच.आर. नागेन्द्र कुलाधिपति एस. व्यासा विश्वविद्यालय, बैंगलूरू एवम् संस्थापक स्वामी विवेकानन्द योग अनुसंधान संस्थान, बैंगलूरू ने रात्रि में विश्राम पश्चात आश्रम में हो रही सेवा कार्यों को सराहा। यहां निवासरत 1100 से अधिक पारिवारिक सदस्यों के स्वस्थ जीवन की कामना कर बच्चों, युवाओं एवं बुजूर्गो से आत्मीय मुलाकात की। आश्रम संस्थापक सुधीर भाई गोयल के साथ (आर्यन) अंकित ग्राम रिसर्च इंस्टीट्यूट ऑफ योगा एण्ड नेचरोपेथी केन्द्र को नया रूप प्रदान करने का संकल्प लिया। इस अवसर पर श्रीमती कांता भाभी, मोनिका दीदी, गोरी दीदी ने आश्रम की परम्परानुसार मंगल तिलक, दुपट्टा एवं मालवी पगड़ी पहनाकर स्वागत कर विशेष बच्चों द्वारा बनाई हस्तशिल्प भेंट की। इस अवसर पर डॉ. मोहन किशोर उप निदेशक स्वामी विवेकानन्द योग अनुसंधान संस्थान, बैंगलूरू भी उपस्थित रहे।

स्वामी हिन्दकुश मीडिया के लिए संपादक, प्रकाशक, मुद्रक श्रीमती सीमा वशिष्ठ द्वारा 124, महाश्वेता नगर उज्जैन, (म.प्र.) से प्रकाशित तथा 6 निर्माण नगर उज्जैन, (म.प्र.) से मुद्रित, मो. 09826322221, परम चैतन्य 09329640700 Email : hindkushmedia@gmail.com